■ श्रावण कृष्ण - 5 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 346 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 15-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बिहार में 'जंगल राज', पानी से ज्यादा आसानी से मिलती है शराब : कांग्रेस

6 नॉर्थ कोरिया, रूस और चीन की जुगलबंदी से बढ़ गई डोनाल्ड ट्रंप की बेचैनी

7 सावन के पहले सोमवार शिवभक्ति में लीन दिखीं रानी चटर्जी

फर्स्ट टेक

असीम घोष हरियाणा तथा गजपति राजू गोवा के राज्यपाल नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। प्रो. असीम कुमार घोष को हरियाणा और पी अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल तथा कविन्द्र गुप्ता को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोमवार को यहां बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के उप राज्यपाल पद से ब्रिगेडियर बी. डी. मिश्रा (सेवानिवृत्त) का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उनके स्थान पर कविन्द्र गुप्ता को लद्दाख का उपराज्यपाल बनाया गया है। इसके अलावा राष्ट्रपति ने प्रो. असीम कुमार घोष को हरियाणा और पी अशोक गजपति राजू को गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया है। ये सभी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होंगी।

आयकर विभाग ने फर्जी कर कटौती मामले में छापे मारे

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग ने सोमवार को कई शहरों में उन संस्थाओं के खिलाफ कर चोरी की जांच के तहत छापेमारी की, जो कुछ व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की छूटों का दावा करके उनके रिटर्न में फर्जी कटौती का लाभ उठाने में मदद करती हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंजीकृत या अपंजीकृत राजनीतिक दलों को राजनीतिक चंदा देने, चिकित्सा बीमा, ट्यूशन फीस और कुछ प्रकार के ऋणों के भुगतान के बदले व्यक्तियों द्वारा दावा की गई झूठी कटौती उन मामलों में शामिल हैं जिनकी इन छापों के तहत जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत कुछ व्यक्तियों और उनके कर सलाहकारों, जो उन्हें फर्जी छूट का दावा करने में मदद करते हैं, की तलाशी ली जा रही है।

स्टील्थ जंगी जहाज महेंद्रगिरि को फरवरी में नौसेना को सौंपे जाने की उम्मीद

नई दिल्ली/भाषा। अत्याधुनिक हथियारों और अत्याधुनिक संवेदी उपकरणों एवं 'प्लेटफॉर्म' प्रबंधन प्रणालियों से लैस 'प्रोजेक्ट 17ए स्टील्थ फ्रिगेट महेंद्रगिरि' का अंतिम जहाज फरवरी 2026 तक भारतीय नौसेना को सौंपे जाने की उम्मीद है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। परियोजना पी17ए (नीलगिरि श्रेणी) के प्रथम स्टील्थ जंगी जहाज – नीलगिरि – का जनवरी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में मुम्बई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में जलावतरण किया गया था। दूसरा युद्धपोत उदयगिरि एक जुलाई को नौसेना को सौंपा गया। इसका निर्माण 'मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल)' में किया गया।

सूर्यास्त 14-07-2025	सूर्योदय 15-07-2025
6:50 बजे	6:01 बजे

BSE	NSE
82,253.46	25,082.30
(-247.01)	(-67.55)

सोना	चांदी
10,284 रु.	116,534 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

सकारात्मक दिशा में बढ रहे हैं भारत-चीन संबंध : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने कहा है कि भारत और चीन के संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ रहे हैं और अब जरूरी है कि दोनों देश संबंधों के प्रति दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएं तथा सीमा से जुड़े मुद्दों पर भी ध्यान दें।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में भाग लेने चीन गये डा. जयशंकर ने सोमवार को बीजिंग में चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बैठक से पहले अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि मतभेद विवाद नहीं बनने चाहिए और न ही प्रतिस्पर्धा कभी संघर्ष में बदलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस आधार पर अब हम अपने संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

चीन को एससीओ की सफल अध्यक्षता की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि भारत मंगलवार को होने वाली बैठक में सकारात्मक परिणाम और निर्णय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा , हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए यह आवश्यक है कि हम अपने संबंधों के प्रति दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाएँ। अक्टूबर 2024 में कज़ान में हमारे नेताओं की बैठक के बाद से भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमारी ज़िम्मेदारी इस गति को बनाए रखना है।

उन्होंने दोनों देशों के बीच नियमित संवाद पर बल देते हुए कहा कि यह दोनों देशों के हित में रहेगा। दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में प्रगति को अच्छा बताते हुए उन्होंने सीमा से संबंधित मुद्दों के समाधान पर भी ध्यान दिये जाने को कहा ।

पंजाब विधानसभा में बेअदबी विरोधी विधेयक पेश

चंडीगढ़/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार ने सोमवार को पंजाब विधानसभा में एक बेअदबी विरोधी विधेयक पेश किया, जिसमें धार्मिक ग्रंथों का अनादर करने वाले कृत्यों के लिए आजीवन कारावास तक की सज़ा का प्रावधान है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सदन में 'पंजाब पवित्र धर्मग्रंथों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम विधेयक 2025' पेश किया। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने बेअदबी के मुद्दे को गंभीर बताया और अध्यक्ष से मंगलवार को विधेयक पर चर्चा कराने का आग्रह किया। राज्य विधानसभा के विशेष सत्र के तीसरे दिन की शुरुआत से पहले, मुख्यमंत्री मान की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में 'पंजाब पवित्र धर्मग्रंथों के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम विधेयक, 2025' को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी। मंत्रिमंडल की बैठक के बाद एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि विधेयक में श्री गुरु ग्रंथ साहिब, भगवद्गीता, बाइबिल और कुरान सहित पवित्र ग्रंथों के अपमान के लिए आजीवन कारावास तक का प्रावधान किया गया है।

भारत के दूसरे सबसे लंबे केबल-आधारित सिगंदूर पुल का उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कर्नाटक के शिवमोगा में देश के दूसरे सबसे लंबे केबल-आधारित सिगंदूर पुल का उद्घाटन किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कर्नाटक के शिवमोगा में देश के दूसरे सबसे लंबे केबल-आधारित सिगंदूर पुल का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेताओं ने तो शिरकत की, लेकिन राज्य मंत्रिमंडल का कोई भी सदस्य इसमें शामिल नहीं हुआ।

अधिकारियों के अनुसार जिले के सागरा तालुक में अंबरगोडलु-कलासवल्ली के बीच 'शरावती बैकवाटर' पर बने इस पुल का निर्माण 472 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

इस पुल से सागरा से सिगंदूर के आसपास के गांवों की दूरी काफी कम होने की उम्मीद है, जो चौदेश्वरी मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता बी. एस. येडीयुरप्पा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भाग नहीं लिया

हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या उनके किसी भी मंत्री ने इस कार्यक्रम में भाग नहीं लिया। हाल में सिद्दरामय्या ने गडकरी से 14 जुलाई को शिवमोगा के सागरा तालुका में पुल के उद्घाटन और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह को यह कहकर स्थगित करने का अनुरोध किया था कि उन्हें पहले से सूचित नहीं किया गया था।

स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाएंगे मोदी सरकार के 11 साल : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार का 11 साल का शासन स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा क्योंकि इसने भारत के लोगों के जीवन के सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विकास किया है।

गैर सरकारी संगठन भारत विकास परिषद के 63वें स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिना किसी संघर्ष के विकास और भारत की विरासत को एक साथ बढ़ावा दिया है।

उन्होंने कहा, ''जब भी भारत में हो रहे बदलाव पर चर्चा होगी, इतिहासकार प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के 11 वर्षों को स्वर्ण अक्षरों में लिखेंगे।''

शाह ने कहा, ''इन वर्षों में, 55 करोड़ से अधिक ऐसे परिवारों को बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हुई, जिनके पास बैंक खाता भी नहीं था। 15 करोड़ से अधिक लोगों को स्वच्छ पेयजल मिला और 12 करोड़ से अधिक घरों में शौचालय बनाए गए।''

गृह मंत्री ने कहा कि कई लोग पूछते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से देश को क्या लाभ होगा।

उन्होंने कहा, ''शायद वे यह बात नहीं समझेंगे, लेकिन मोदी ने राम मंदिर का निर्माण सुनिश्चित किया है, साथ ही देश में 5जी तकनीक लेकर आए हैं और डिजिटल भुगतान प्रणाली को इतने व्यापक स्तर पर फैलाया है कि सब्जी विक्रेता भी इससे लाभान्वित हो रहे हैं।''

ड्रैगन के आईएसएस से अलग होते ही

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला का वापसी का सफर शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान के सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से अलग होने के साथ शुभांशु शुक्ला और वाणिज्यिक एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की पृथ्वी की वापसी यात्रा शुरू हो गई।

पिछले 18 दिनों से चारों अंतरिक्ष यात्री आईएसएस पर थे। ड्रैगन अंतरिक्ष यान आईएसएस से भारतीय समयानुसार शाम 4:45 बजे अलग हुआ। इसमें मूल कार्यक्रम से 10 मिनट की देरी हुई तथा कक्षीय प्रयोगशाला से दूर जाने के लिए उसने दो बार थ्रस्टर्स चालू किए।

शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन, तथा मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के स्लावोज़ उज़्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू सहित एक्सिओम-4 के चालक दल ने 26 जून को आईएसएस से जुड़ने के बाद से लगभग 76 लाख मील की दूरी तय करते हुए पृथ्वी के चारों ओर लगभग 433 घंटे या 18 दिन में 288 परिक्रमाएं कीं।

गले मिलने और हाथ मिलाने के बाद, चारों अंतरिक्ष यात्री अनडॉकिंग से लगभग दो घंटे पहले ड्रैगन अंतरिक्ष यान में प्रवेश कर गए, अपने स्पेससूट पहन लिए और भारतीय समयानुसार अपराह्न 2:37 बजे अंतरिक्ष यान को आईएसएस से जोड़ने वाले हैच को बंद कर दिया।

रविवार को आईएसएस पर विदाई समारोह में शुक्ला ने कहा, ''जल्दी ही धरती पर मुलाकात करते हैं।''

अर्थव्यवस्था के लिए श्रम और उद्योग को मिलकर काम करने की जरूरत : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि देश के कार्यबल और अर्थव्यवस्था की भलाई के लिए श्रम और उद्योग को मिलकर काम करना चाहिए।

श्रम और रोजगार मंत्री ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (ईएलआई) पर राज्यों के श्रम और उद्योग मंत्रियों की एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि बैठक का मकसद ईएलआई योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सहयोगात्मक रणनीतियों का पता लगाना था।

उन्होंने कहा, ''श्रम और उद्योग एक ही सिक्के के दो पहलू हैं... दोनों को देश के कार्यबल और अर्थव्यवस्था के व्यापक हित के लिए मिलकर काम करना चाहिए।''

उन्होंने भरोसा दिलाया कि योजना के तहत प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को सरल रखा गया है, ताकि व्यापक भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सके।

मंत्री ने कहा कि ईएलआई योजना, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में पीएलआई योजना के बाद दूसरा कदम है।

'उदयपुर फाइल्स' मामले पर शीघ्र सुनवाई को उच्चतम न्यायालय सहमत

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने फिल्म 'उदयपुर फाइल्स: कन्हैया लाल टेलर मर्डर' की रिलीज पर रोक लगाने से संबंधित दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार को सहमति जताई। फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ ने कहा कि निर्माताओं की ओर से पेश वकील ने याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध करते हुए कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के प्रमाणन के बावजूद फिल्म की रिलीज पर रोक लगाई गई है। पीठ ने कहा कि वह बुधवार या उसके बाद किसी भी दिन इस पर सुनवाई करेगी।

22वीं पुण्यतिथि पर हार्दिक श्रद्धासुमन

स्वर्गवास 15.07.2003

स्व. भंडारी घेवरचन्दजी बुधमलजी, सायला निवासी

आपकी यादों के चिराग हमारे दिलों में हमेशा जलते रहेंगे
प्रण यही है हमारा आपके प्रदर्शित पथ पर हमेशा चलते रहेंगे।
हे आदरणीय अर्पित है, विनम्र हृदय से भावांजलि।
स्वीकार करें हे पुण्य आत्मा, हम सबकी यह श्रद्धांजलि।।

श्रद्धावनत

पुत्र-पुत्रवधु ✦ अशोक-मीना, प्रवीण-डिम्पल, रमेश-रेखा, विमल-कविता, आनन्द-कीर्ति
पौत्र-पौत्रवधु ✦ रितेश-निकिता, ऋषभ-स्वीटी, अजितेश-अरुणा, रोहन-शेखा
पौत्र-पौत्रिया ✦ राशि, पलक, वंश, साक्षी, अनन्या, कश्वी
पड़पौत्री ✦ नियती, मोक्षा पड़पौत्र ✦ दिवीत, चहित, आर्या, निवान, जैनम
एवं समस्त भण्डारी परिवार, सायला (बेंगलूर)
पुत्री-दामाद – सुशीला-जुठमलजी सेठ, भाग्यश्री-राजेशजी जैन,
पौत्री-दामाद – ईशा-राहुलजी सालेचा, रूचिका-चेतनजी सुराणा
दोहिता-दोहितावधु – अभिषेक-गुणवंती सेठ, स्पर्श-श्रुति जैन,
दोहित्री-दामाद – रसना-सिद्धार्थजी छाजेड़, कृति-अविजी भंडारी
पड़दोहित्री-दोहित्र- ख्याति, जियाना, दिव्यम सालेचा, मलंक, निर्वी सेठ, प्रिशी, समवित छाजेड़

फर्म ■ GAYATRI INDUSTRIES ■ MARUDHAR ENTERPRISES (INDIA), Bangalore

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जाति की पाँति

कर्मों से बनी जातियां सब,
क्यों पैतृकिता से है लगाव।
यदि कर्म बदल जाते हैं तो,
बदलेंगे संचित जड़ स्वभाव।
केवल हित रक्षण खातिर ही,
करते जाते हम भेदभाव।
कैसे होगा फिर खत्म कभी,
यह जाति व्यवस्था का दबाव।।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत तेजी से जारी

■ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर अगले दौर की वार्ता के लिए भारतीय दल वाशिंगटन पहुंच गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत का दौर तेजी से चल रहा है।

द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर अगले दौर की वार्ता के लिए भारतीय दल वाशिंगटन पहुंच गया है।

गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''बातचीत बहुत तेज रफ्तार और आपसी सहयोग की भावना से चल रही है ताकि हम अमेरिका के साथ ऐसा व्यापार समझौता कर सकें जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद हो।''

इस बीच, वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने एक अलग कार्यक्रम में कहा कि यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौतों पर बातचीत का दौर जारी है। बर्थवाल ने कहा कि भारत द्वारा किए जा रहे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) को बढ़ावा देने के प्रमुख प्रयासों में से एक हैं।

उन्होंने यहां 'सीआईआई जीसीसी व्यवसाय सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा, 'ब्रिटेन के साथ एफटीए की घोषणा हाल ही में (छह मई को) की गई है। यूरोपीय संघ के साथ बातचीत चल रही है और अमेरिका के साथ इसपर चर्चाएं जारी हैं।''

भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत कर रहे हैं। दोनों देशों का लक्ष्य इस साल सितंबर-अक्टूबर तक समझौते के पहले चरण को पूरा करना है।

इसी तरह, भारत और यूरोपीय संघ भी एफटीए को अंतिम रूप देने को लेकर बातचीत कर रहे हैं।

मेवाड़ ओसवाल साजनान संघ की नई कार्यकारिणी गठित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय मेवाड़ ओसवाल साजनान संघ कर्नाटक की वार्षिक बैठक रविवार को एक होटल में आयोजित हुई जिसमें नवनिर्वाचित अध्यक्ष सीए विजयराज पितलिया ने नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा की। नई कार्यकारिणी समिति में वीरेंद्र पामेचा को उपाध्यक्ष, सुनील नंदावत को मंत्री, प्रेमप्रकाश नलवाया व महावीर पिछोलिया को सहमंत्री, कोमल गांधी को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारिणी समिति में जीवनप्रकाश मेहता, कांतिलाल लसोड़, कुलदीप नन्दावत, गौतम वया, सुनील भाणावत, जम्बु पितलिया, रितेश पामेचा, पारस रांका, दिलीप पितलिया, मानमल पितलिया (मैसूरु)को शामिल किया गया। युवा अध्यक्ष के रूप में कुशल मेहता, युवा मंत्री विरल पितलिया को जिम्मेदारी दी है। इस मौके पर पूर्व अध्यक्ष विनोद नंदावत आदि ने नई कार्यकारिणी समिति को शुभकामनाएं दी।

छात्रों की आत्महत्या की जांच पर उच्चतम न्यायालय ने तीन राज्यों से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तीन राज्यों की पुलिस से आईआईटी-दिल्ली, आईआईटी-खड़गपुर के विद्यार्थी और राजस्थान के कोटा में नीट (मेडिकल प्रवेश परीक्षा) की एक अभ्यर्थी द्वारा आत्महत्या की जांच पर स्थिति रिपोर्ट मांगी।

न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने उच्च शिक्षण संस्थानों में आत्महत्याओं पर चिंता व्यक्त की तथा गृह मंत्रालय को इस मामले में पक्षकार बनाया। न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट्ट ने इस मुद्दे पर मंत्रालय से सहायता मांगी थी। पीठ ने पुलिस से पूछा कि आईआईटी-दिल्ली में पढ़ाई के दौरान 2023 में आत्महत्या करने वाले दो विद्यार्थियों के परिवार के सदस्यों की शिकायतों पर 24 मार्च को प्राथमिकी दर्ज करने को जो आदेश अदालत ने दिया था, उसकी जांच की स्थिति क्या है। वकील से कहा, ''हम देखना चाहते हैं कि जांच में क्या प्रगति हुई है। हम जानना चाहते हैं कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद आपने क्या किया है। आपको हमें बताना होगा कि क्या किया गया है।''

भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए विकास रणनीति की जरूरत : राजीव कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

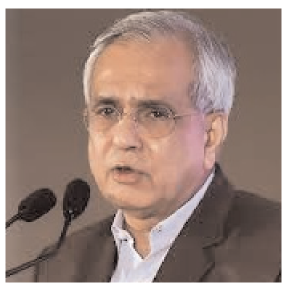

नई दिल्ली/भाषा। भारत के नेतृत्व को एक विकास रणनीति लागू करने तथा देश के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी जरूरी प्रतिभाओं को जुटाने की जरूरत है।

एक नई पुस्तक 'एवरीथिंग ऑल एट वन्स: इंडिया एंड द सिक्स सिमल्टेनियस ग्लोबल ट्रांजिशन्स' में यह बात कही गई। नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव कुमार और ईशान जोशी ने मिलकर यह किताब लिखी है।

किताब दुनिया को नया आकार दे रहे उन बड़े बदलावों पर एक सामयिक और विचारोत्तेजक नजरिया देती है, जिनका भारत की संभावनाओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है।

किताब में कहा गया, ''भारत के नेतृत्व को एक ऐसी विकास रणनीति तैयार करने और उसे लागू करने के लिए सभी जरूरी प्रतिभाओं और संसाधनों को जुटाना होगा, जो इन विविध चुनौतियों का नई सोच के साथ सामना कर सके।''

किताब में लिखा है कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि के इतिहास में पहले कभी भी देशों को अपने विकास एजेंडा को आगे बढ़ाते हुए इतनी बड़ी चुनौतियों का सामना नहीं करना पड़ा था।

इसके मुताबिक, भारत का दीर्घकालिक वृद्धि लक्ष्य अपनी युवा आबादी की बढ़ती आकांक्षाओं को पूरा करना होना चाहिए, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यापक रूप से 'विकसित भारत' के रूप में व्यक्त किया है।

दुर्घटना की जांच से और सवाल उठे, किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी : एअर इंडिया के सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। एअर इंडिया के सीईओ ने कहा कि पिछले महीने एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की प्रारंभिक रिपोर्ट ने और अधिक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। उन्होंने पायलटों और विमान की फिटनेस का बचाव करते हुए कहा कि रिपोर्ट में किसी भी यांत्रिक या रखरखाव संबंधी मुद्दे का उल्लेख नहीं किया गया है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैम्पबेल विल्सन ने कहा कि अहमदाबाद में 12 जून को हुई विमान की दुर्घटना की जांच अभी पूरी नहीं हुई है, लिहाज़ा लोगों को जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष नहीं निकालने चाहिए। इस हादसे में विमान में सवार 242 लोगों में से एक को छोड़कर सभी की मौत हो गई थी तथा विमान के एक इमारत से टकराने के कारण 19 अन्य लोगों की जान चली गई थी।

एयरलाइन के कर्मचारियों को भेजे गए एक आंतरिक ज्ञापन में उन्होंने कहा, प्रारंभिक रिपोर्ट के जारी होने से हमारे साथ-साथ दुनिया को भी जो कुछ हुआ उसके बारे में अतिरिक्त विवरण मिलने लगे। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि इससे न केवल अधिक स्पष्टता मिली, बल्कि अतिरिक्त प्रश्न भी उठे। उन्होंने कहा कि ईंधन की गुणवत्ता में कोई समस्या नहीं थी और 'टेक-ऑफ रोल' में भी कुछ असामान्य नहीं था तथा पायलटों ने उड़ान से पहले श्वास विश्लेषक परीक्षण पास कर लिया था और उनकी चिकित्सा स्थिति के संबंध में कुछ भी असामान्य नहीं पाया गया था। 'टेक ऑफ रोल' वह चरण होता है जब एक विमान रनवे (हवाई पट्टी) पर दौड़ता है ताकि वह उड़ान भरने के लिए पर्याप्त गति प्राप्त कर सके।

इस घातक दुर्घटना के कारणों को लेकर विभिन्न हलकों में चल रही अटकलों के बीच एअर इंडिया के प्रमुख ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में न तो कोई कारण बताया गया है और न ही कोई सिफारिश की गई है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि वे समय से पहले कोई निष्कर्ष निकालने से बचें, क्योंकि जांच अभी पूरी नहीं हुई है। वायु यान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने एअर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर शनिवार को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की जिसमें 12 जून को 260 लोग मारे गए थे। विल्सन ने कर्मचारियों को दिए एक संदेश में कहा कि प्रारंभिक रिपोर्ट में विमान या इंजन में कोई यांत्रिक या रखरखाव संबंधी समस्या नहीं पायी गयी है तथा अनिवार्य रखरखाव संबंधी सभी कार्य पूरे किए जा चुके थे।

खुदरा महंगाई दर छह साल के निचले स्तर 2.1% पर, थोक मुद्रास्फीति शून्य से नीचे

नई दिल्ली/भाषा। बेहतर मानसून के साथ सब्जियों समेत अन्य खाने का सामान सस्ता होने से खुदरा मुद्रास्फीति जून में छह साल के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर रही है। यह भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर से काफी नीचे है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.82 प्रतिशत और जून, 2024 में 5.08 प्रतिशत थी। नवंबर, 2024 से महंगाई दर में लगातार गिरावट आ रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान में कहा कि इस साल जून में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति सालाना आधार पर 2.1% रही। इसमें कहा गया, ''इस साल मई की तुलना में जून की सकल मुद्रास्फीति में 0.72% की गिरावट आई है। यह जनवरी, 2019 के बाद महंगाई की सबसे कम दर है। इससे पहले जनवरी, 2019 में मुद्रास्फीति का निचला स्तर 1.97% था। एनएसओ ने कहा कि जून, 2025 में मुद्रास्फीति और खाद्य महंगाई में उल्लेखनीय गिरावट मुख्य रूप से अनुकूल तुलनात्मक आधार और सब्जियों, दालों और उसके उत्पादों, मांस और मछली, अनाज और उत्पादों, चीनी और मिष्ठान्न, दूध और उसके उत्पादों तथा मसालों की कीमतों में गिरावट के कारण है। रिजर्व बैंक को मुद्रास्फीति को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। वह खुदरा मुद्रास्फीति में कमी के मद्देनजर फरवरी से प्रमुख नीतिगत दर रेपो में 1% की कमी कर चुका है।

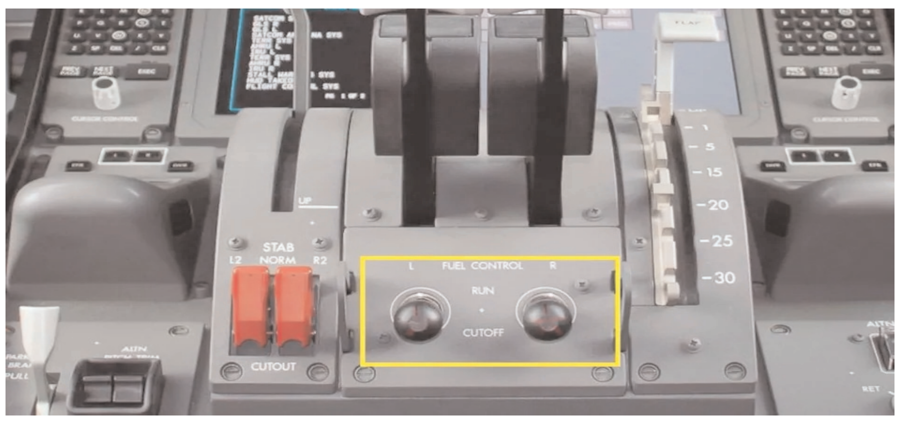

डीजीसीए ने बोइंग 787, 737 विमानों में 'फ्यूल स्विच लॉकिंग' प्रणाली की जांच करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। विमानन नियामक डीजीसीए ने सोमवार को एयरलाइन कंपनियों से अपने बोइंग 787 और 737 विमानों में 'फ्यूल स्विच लॉकिंग' प्रणाली की जांच करने को कहा।

यह कदम एयर इंडिया के बोइंग 787 विमान की दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के कुछ दिन बाद आया है। जांच रिपोर्ट में पाया गया था कि पिछले महीने हुई दुर्घटना से ठीक पहले स्विच बंद कर दिए गए थे। अमेरिकी नियामक संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने 2018 में 787 और 737 सहित बोइंग विमानों के कुछ मॉडल में ईंधन नियंत्रण करने वाली 'स्विच लॉकिंग' सुविधा में खराबी की आशंका का संकेत किया था। एफएए के विशेष उड़ान पात्रता सूचना बुलेटिन (एसएआईबी) में इसका उल्लेख किया गया था, हालांकि इसमें कोई ऐसा संकेत नहीं था, जिससे यह मुद्दा सुरक्षा संबंधी चिंता का विषय लगे। डीजीसीए ने सोमवार को कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू परिचालकों ने एफएए के विमानों की उड़ान भरने की पात्रता के हिसाब से अपने विमान बेड़े का निरीक्षण शुरू कर दिया है।

नियामक ने कहा, ''प्रभावित विमान का परिचालन करने वाली सभी एयरलाइन कंपनियों को सलाह दी जाती है कि वे 21 जुलाई, 2025 से पहले निरीक्षण पूरा कर लें। निरीक्षण पूरा होने के बाद निरीक्षण योजना और रिपोर्ट संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय के साथ ही इस कार्यालय को दी जाएगी।'' ईंधन नियंत्रण स्विच विमान के इंजन में ईंधन के प्रवाह को नियंत्रित करते हैं।

प्रियंका चतुर्वेदी ने विमान दुर्घटना की रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय मीडिया में लीक होने की जांच की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (उबाठा) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने सोमवार को नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को पत्र लिखकर इस बात की तहकीकात की मांग की कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई171 के दुर्घटनाग्रस्त होने की जांच से जुड़ी प्रारंभिक रिपोर्ट के विवरण भारत में जारी होने से पहले अंतरराष्ट्रीय मीडिया में कथित तौर पर कैसे लीक हो गये।

नायडू को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि रिपोर्ट ''लीक'' होने की औपचारिक जांच की जानी चाहिए। रिपोर्ट के लेखन के संबंध में पारदर्शिता की मांग करते हुए चतुर्वेदी ने कहा कि जांच समिति के सभी सदस्यों के नाम सार्वजनिक किए जाने चाहिए और अंतरिम रिपोर्ट पर समिति के प्रत्येक सदस्य के हस्ताक्षर होने चाहिए। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) ने शनिवार को एअर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान संबंधी दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट जारी की।

इस दुर्घटना में विमान में सवार 241 लोगों सहित 260 लोगों की मौत हो गई थी। अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रही उड़ान संख्या एआई171 के उड़ान भरने के तुरंत बाद विमान एक इमारत से टकरा गया था। चतुर्वेदी ने लिखा, ''मैं आपको विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) द्वारा हाल ही में जारी अंतरिम जांच रिपोर्ट को जिस तरह से लिया गया और प्रसारित किया गया, उसके बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करने के लिए लिख रही हूं, विशेष रूप से भारत में रिपोर्ट के आधिकारिक रूप से सार्वजनिक होने से पहले अंतरराष्ट्रीय प्रकाशनों में मीडिया रिपोर्ट सामने आने के आलोक में।''

महाराष्ट्र में मादक पदार्थ तस्करों पर लगेगा मकोका, विधान परिषद ने विधेयक को दी मंजूरी

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र विधान परिषद ने मादक पदार्थ तस्करों और संबंधित अपराधों को कड़े संगठित अपराध-निरोधक कानून 'मकोका' के दायरे में लाने के लिए एक विधेयक में संशोधन को सोमवार को मंजूरी दे दी। महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) में संशोधन करने वाले इस विधेयक को उच्च सदन ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। इससे पहले, विधानसभा ने नौ जुलाई को इसे पारित किया था।

राज्यपाल की मंजूरी मिलने के बाद कानून के प्रभावी होने के परिणामस्वरूप मादक पदार्थों के तस्करों के लिए गिरफ्तारी के बाद जमानत पाना मुश्किल हो जाएगा। महाराष्ट्र के गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम ने कहा कि दो जुलाई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद में कहा था कि सरकार मौजूदा क़ानूनों में संशोधन करेगी।

अमेरिका के साथ सेवा क्षेत्र केंद्रित व्यापार समझौते पर जोर दे भारत : नीति आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग ने सोमवार को सुझाव दिया कि भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में सेवा क्षेत्र पर विशेष जोर देना चाहिए। इसमें भारत-ब्रिटेन समझौते के मॉडल का अनुसरण किया जाना चाहिए और सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं और शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

आयोग ने व्यापार पर तिमाही रिपोर्ट के तीसरे संस्करण में कहा कि उत्पादों की संख्या और अमेरिकी बाजार के आकार, दोनों के संदर्भ में अमेरिकी बाजारों में भारत के लिए महत्वपूर्ण अवसर होंगे। इसमें कहा गया, ''भारत-ब्रिटेन समझौते के मॉडल पर आगे बढ़ते हुए, भारत को अमेरिका के साथ सेवा-उन्मुख व्यापार समझौते पर आगे बढ़ना चाहिए। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं और शिक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर जोर दिया जाना चाहिए।'' आयोग ने कहा कि समझौते में डिजिटल व्यापार के लिए मजबूत प्रावधान शामिल होने चाहिए, जिससे सीमापार सेवा वितरण में सुधार के लिए एक रूपरेखा तैयार हो सके। रिपोर्ट के अनुसार, भारत को अपने पेशेवरों के लिए विशेष रूप से एच-1बी और एल-1 श्रेणियों के तहत, बेहतर वीजा पहुंच की वकालत करनी चाहिए। डिजिटल रूप से वितरित सेवाओं (डीडीएस) की बढ़ती वैश्विक मांग के साथ, आयोग ने कहा कि भारत को साइबर सुरक्षा, कृत्रिम मेधा, दूरसंचार और डिजाइन सेवाओं जैसे उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में अमेरिका से बाजार पहुंच को लेकर प्रतिबद्धताएं हासिल करनी चाहिए।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद रक्षा संबंधी रेल डिब्बों की संख्या में अंतर मिला, आज से होगी गणना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद रक्षा संबंधी रेल डिब्बों की सही संख्या का पता लगाने के लिए की गई कवायद के दौरान, रेलवे बोर्ड को ऑनलाइन डिब्बा प्रबंधन प्रणाली के आंकड़े और प्रत्यक्ष रूप से दर्ज आंकड़े के बीच अंतर मिला। इसके बाद 15 और 16 जुलाई को इन डिब्बों की गणना करने का फैसला किया गया।

रक्षा संबंधी रेल के डिब्बे विशेष रूप से रक्षा कर्मियों, उपकरणों और अन्य आपूर्तियों के परिवहन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के लगभग एक पखवाड़े बाद, (सेना मुख्यालय में स्थित रेल मंत्रालय की विशेष शाखा) 'मिलरेल'और मंत्रालय के अधिकारियों ने देश भर में विभिन्न स्थानों पर रखे गए रक्षा संबंधी डिब्बों की कुल संख्या का पता लगाने के लिए एक बैठक की। 'मिलरेल' भारतीय रेलवे की एक विशेष शाखा है। रेल मंत्रालय द्वारा 10 जुलाई 2025 को सभी जोन को जारी परिपत्र में कहा गया है, 23.05.2025 को रेलवे बोर्ड में 'मिलरेल' के कार्यकारी निदेशक के साथ हुई बैठक में यह पाया गया कि 'मिलरेल' डिब्बों की संख्या के संबंध में आईआरएफएमएम (भारतीय रेलवे माल ढुलाई रखरखाव प्रबंधन) में उपलब्ध आंकड़ों और 'मिलरेल' कार्यालय में उपलब्ध आंकड़ों में अंतर है।

परिपत्र में कहा गया है कि गणना 15 जुलाई 2025 को शुरू होगी और 16 जुलाई 2025 तक पूरी हो जानी चाहिए। गणना प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताते हुए मंत्रालय ने कहा है कि इस प्रक्रिया में, अन्य बातों के साथ-साथ, सड़क किनारे, मरम्मत लाइनों या कार्यशालाओं में खड़े खराब (सिक) डिब्बों समेत ऐसे अन्य डिब्बों को भी शामिल किया जाएगा जिन्हें लंबे समय से निरीक्षण के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश एक संयुक्त अभियान के लिए है जिसे भारतीय रेलवे परिसर में ऑपरेटिंग और कैरेज एवं वैगन विभाग द्वारा और रक्षा 'साइडिंग्स'(अलग से निर्धारित पटरियां) पर मिलरेल द्वारा चलाया जाएगा।

आदित्य ठाकरे के 'चड्ढ़ी बनियान गिरोह' वाले तंज पर भड़के शिवसेना विधायक नीलेश राणे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना विधायक नीलेश राणे और शिवसेना (उबाठा) विधायक आदित्य ठाकरे के बीच सोमवार को महाराष्ट्र विधानसभा में उस समय तीखी बहस हो गई जब आदित्य ने राणे के सहयोगियों संजय गायकवाड़ और संजय शिरसाट के लिए परोक्ष रूप से चड्डी बनियान गिरोह शब्द का इस्तेमाल किया।

हाल में एक वीडियो में बुलढाणा से शिवसेना विधायक गायकवाड़ को बनियान और तौलिया पहने हुए, एक कैंटीन कर्मचारी पर बासी दाल परोसने का आरोप लगाते हुए घूंसा मारते हुए देखा गया था, जबकि मंत्री संजय शिरसाट को एक बिस्तर पर एक बैग के पास आराम करते हुए देखा गया था, जिसके बारे में आदित्य ठाकरे की पार्टी ने दावा किया था कि उसमें नोटों के बंडल थे। वर्ली से विधायक आदित्य ठाकरे ने विधानसभा में कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सहानुभूति है क्योंकि उन्हें अपने चड्डी बनियान गिरोह के सहयोगियों से निपटना पड़ रहा है। आदित्य ने कहा, वे जो चाहें करते हैं क्योंकि उन्हें डर नहीं है।

जवाब में, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के कुडाल से विधायक नीलेश राणे ने आदित्य को उन सभी के नाम लेने की चुनौती दी, जिन्हें उन्होंने चड्डी बनियान गिरोह कहा।

राणे ने आदित्य ठाकरे की टिप्पणी को कार्यवाही से हटाने की मांग करते हुए कहा, कोई सिर्फ़ आलोचना करने के लिए ऐसी टिप्पणी कैसे कर सकता है? अगर हिम्मत है तो नाम लीजिए।

सौर, पवन परियोजनाओं के लिए आईएसटीएस शुल्क छूट की सीमा नहीं बढ़ाएगी सरकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार की सौर और पवन परियोजनाओं के लिए अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्क छूट सीमा को बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

सौर और पवन परियोजनाओं की स्थापना और संचालन के लिए अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्क छूट की घोषणा की समयसीमा 30 जून, 2025 को समाप्त हो गई।

इस सवाल कि ''क्या क्या सरकार आईएसटीएस छूट बढ़ाने की योजना बना रही है,'' के जवाब में एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''हम (सौर और पवन परियोजनाओं के लिए) छूट नहीं बढ़ाएंगे।'' इस साल जून तक चालू नहीं हो पाने वाली परियोजनाओं की वित्तीय लाभप्रदता पर एक अन्य सवाल के जवाब में अधिकारी ने कहा, ''हम मामला-दर-मामला आधार पर उनकी स्थिति का मूल्यांकन करेंगे और उसी के अनुसार उपयुक्त राहत प्रदान करने का निर्णय लेंगे।'' आईएसटीएस छूट, अक्षय ऊर्जा डेवलपर्स को उन महत्वपूर्ण शुल्क से बचने में मदद करती है जो अन्यथा उत्पादक राज्य से उपभोग केंद्रों तक बिजली ले जाने पर लगते हैं।

अंतर-राज्यीय पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) शुल्क भारत में राज्य की सीमाओं के पार बिजली संचारित करने के लिए लगाए जाने वाले शुल्क हैं। यदि आईएसटीएस छूट को आगे नहीं बढ़ाया जाता है, तो इससे शुल्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और नवीकरणीय स्रोतों से उत्पादित बिजली कोयले जैसे अन्य पारंपरिक स्रोतों की तुलना में गैर-प्रतिस्पर्धी हो जाएगी। पिछले महीने, शीर्ष उद्योग निकाय इलेक्ट्रिक पावर ट्रांसमिशन एसोसिएशन (ईपीटीए) ने सरकार से आईएसटीएस शुल्क छूट को मार्च, 2026 तक बढ़ाकर लगभग 30 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की व्यवहार्यता का संरक्षण करने का आग्रह किया था।

छत्तीसगढ़ : भर्ती परीक्षा में हाई-टेक नकल के आरोप में दो बहनें गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में रविवार को छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित उप अभियंता (सिविल) और उप अभियंता (विद्युत/यांत्रिकी) भर्ती परीक्षा में हाई-टेक उपकरणों के माध्यम से नकल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवती और उसकी बहन को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक परीक्षा हाल में बैठी युवती अपने इनरवियर में छिपे कैमरे के माध्यम से प्रश्न पत्र की फोटो को बाहर बैठी अपनी छोटी बहन को भेजती थी तथा छोटी बहन वॉकी टॉकी के माध्यम से प्रश्नों का उत्तर अपनी बड़ी बहन को बता रही थी।

इस मामले को उजागर करने वाले भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) और बिलासपुर शहर कांग्रेस ने इसे बड़ा घोटाला बताते हुए मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच और परीक्षा को निरस्त करने की मांग की है। बिलासपुर के सरकंडा थाने के प्रभारी निलेश पांडेय ने बताया कि छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) में उप अभियंता के 113 पदों पर भर्ती के लिए रविवार को परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा के लिए बिलासपुर में शासकीय रामदुलारे बालक उच्चतर माध्यमिक पाठशाला, सरकंडा को भी एक केंद्र बनाया गया था।

पांडेय ने बताया कि रविवार की सुबह परीक्षा के दौरान इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की मदद से नकल करते हुए एक परीक्षार्थी युवती अन्नू सूर्या को पकड़ लिया गया। अन्नू सूर्या कोरिया से इंजीनियरिंग की परीक्षा पास करने के बाद वर्तमान में जशपुर के एक निजी स्कूल में पढ़ा रही है।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने इसी दौरान परीक्षा केंद्र के बाहर वॉकी-टॉकी तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से अन्नू को प्रश्नों के उत्तर बताने वाली उसकी छोटी बहन अनुराधा बाई को भी गिरफ्तार कर लिया। अनुराधा अंडमान-निकोबार में रहकर पढ़ाई कर रही है।

पांडेय ने बताया कि केंद्राध्यक्ष पी मंडल की शिकायत पर दोनों बहनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और छत्तीसगढ़ परीक्षा अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इनर-वियर (जिसमें उपकरण छिपाकर परीक्षा केंद्र तक ले जाया गया) दो मोबाइल, वॉकी-टॉकी, माइक्रो ईयर-फोन समेत लगभग सात इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए हैं।

गडकरी के हाथों शिवमोगा पुल के उद्घाटन कार्यक्रम से मुख्यमंत्री रहे दूर, कहा- आमंत्रित नहीं किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा/बेंगलूरु। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कर्नाटक के शिवमोगा में देश के दूसरे सबसे लंबे केबल-आधारित सिगंदूर पुल का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगियों ने विरोध स्वरूप बहिष्कार किया और दावा किया कि उन्हें आमंत्रित नहीं किया गया था। हालांकि, गडकरी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सिद्दरामय्या को 11 जुलाई को कार्यक्रम की अध्यक्षता के लिए आधिकारिक निमंत्रण दिया गया था। कार्यक्रम संबंधी किसी भी संभावित चुनौती को देखते हुए 12 जुलाई को एक और पत्र भेजा गया, जिसमें डिजिटल माध्यम से उनकी उपस्थिति का अनुरोध किया गया था। उन्होंने मुख्यमंत्री को लिखे गए दोनों पत्र भी 'एक्स' पर पोस्ट किए हैं।

हालांकि, सिद्दरामय्या ने सोमवार को एक सवाल के जवाब में कहा, ''हममें से कोई भी भाग नहीं ले रहा है, क्योंकि मुझे आमंत्रित नहीं किया गया था। मैंने नितिन गडकरी से फोन पर बात की और उन्हें इस बारे में सूचित किया। उन्होंने कहा कि वह कार्यक्रम स्थगित कर देंगे। फिर मैंने उन्हें एक पत्र लिखा। संभवत: भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) नेताओं के दबाव डालने के कारण मुझे कुछ बताए बिना वे ऐसा कर रहे हैं। मैं नहीं जा रहा हूं। मेरा इंडी में एक पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम है। कार्यक्रम एक महीने पहले निर्धारित था, मैं वहां जा रहा हूं।'' उन्होंने बेंगलूरु में पत्रकारों से कहा, ''विरोध स्वरूप हममें से कोई भी नहीं जा रहा है। न तो मैं, न लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) मंत्री, न जिला प्रभारी मंत्री और न ही सागर विधायक।'' यह पूछे जाने पर कि क्या इससे केंद्र और राज्य के बीच टकराव नहीं होगा, मुख्यमंत्री ने कहा, उन्हें (केंद्र को) आमंत्रित करना चाहिए था, ठीक कहा न? टकराव किसने शुरू किया है? उन्होंने ही टकराव शुरू किया है। 'प्रोटोकॉल' का पालन करना होगा। यह कार्यक्रम हमारे राज्य में हो रहा है, हम एक संघीय व्यवस्था में हैं।''

सिद्दरामय्या के दावे को खारिज करते हुए गडकरी ने अपने पोस्ट में कहा कि केंद्र सरकार स्थापित 'प्रोटोकॉल' का पालन करती रही है और कर्नाटक सरकार तथा मुख्यमंत्री के योगदान और सहयोग की निरंतर सराहना करती रही है। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार सहकारी संघवाद और सभी राज्यों के साथ घनिष्ठ समन्वय के लिए प्रतिबद्ध है।''

इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, वरिष्ठ भाजपा नेता बी. एस. येडीयुरप्पा सहित अन्य लोग शामिल हुए। भाजपा सांसद राघवेंद्र ने 'एक्स' पर कहा कि नौ जुलाई को उन्होंने मुख्यमंत्री को पुल के उद्घाटन के लिए बेहद आदर के साथ आमंत्रित किया था। मुख्यमंत्री जिस तरह से सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं कि उन्हें निमंत्रण देर से मिला है, क्या यह उचित है? उन्होंने कहा, शरावती नदी पर बना यह पुल छह दशकों के संघर्ष और हजारों लोगों की मेहनत का परिणाम है। इतना ही नहीं, यह हजारों लोगों की भावनाओं का भी प्रतिबिंब है। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि उनकी भावनाओं को ठेस न पहुंचाएं।

सांसद ने कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि निमंत्रण पत्र पहले ही मिलने के बाद भी विकास का राजनीतिकरण करना 'शरावती बैकवाटर' क्षेत्र के लोगों का अपमान है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप राज्य की जनता के सामने अपना बयान तुरंत वापस लें और सच बताने का प्रयास करें।''

अधिकारियों के अनुसार, सागरा तालुक में अंबरगोडलु-कलासवल्ली के बीच 'शरावती बैकवाटर' पर बने इस पुल का निर्माण 472 करोड़ रुपये की लागत से हुआ है। इस पुल से सागरा से सिगंदूर के आसपास के गांवों की दूरी काफी कम होने की उम्मीद है, जो चौदेश्वरी मंदिर के लिए जाना जाता है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने रविवार शाम सिद्दरामय्या द्वारा गडकरी को 11 जुलाई को लिखा गया एक पत्र साझा किया था, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम स्थगित करने का आग्रह करते हुए कहा था कि उन्हें पहले से सूचित नहीं किया गया।

विजयपुरा जिले के इंडी तालुक की अपनी निर्धारित यात्रा का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने गडकरी को लिखे पत्र में कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के लिए इस तरह के कार्यक्रम की योजना बनाने से पहले राज्य सरकार से परामर्श करना अधिक उपयुक्त होता। उन्होंने गडकरी से इस संबंध में अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया।

कांग्रेस ने मादक पदार्थ तस्करी मामले में कलबुर्गी ब्लॉक अध्यक्ष को निष्कासित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस ने सोमवार को कलबुर्गी जिले में अपने ब्लॉक अध्यक्ष को निष्कासित कर दिया। यह कदम ऐसे वक्त उठाया गया है जब खबर आई थी कि मादक पदार्थ तस्करी के एक मामले में महाराष्ट्र में उनकी गिरफ्तारी हुई है। कलबुर्गी जिला कांग्रेस कमेटी ने एक बयान में कहा, गुलबर्ग दक्षिण ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लिंगराज कन्नी को मीडिया में आए उन आरोपों के बाद तत्काल प्रभाव से कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया कि वह मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल थे।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर हमला करते हुए दावा किया कि कन्नी कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियंक खरगे के करीबी सहयोगी हैं। भाजपा ने 'एक्स' पर कन्नी के साथ प्रियंक की तस्वीरों के साथ एक पोस्ट में कहा, एक मंत्री के करीबी सहयोगी और जिला स्तर के कांग्रेस नेता की मादक पदार्थ गतिविधियों में गिरफ्तारी कांग्रेस पार्टी के नैतिक पतन का प्रमाण है। भाजपा ने प्रियंक पर निशाना साधते हुए कहा, क्या आपको अपने साथ ड्रग डीलरों को रखने में शर्म नहीं आती?

भाजपा की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रियंक ने कहा, कांग्रेस ने कन्नी के खिलाफ कार्रवाई की है और उन्हें पार्टी से निकाल दिया है। प्रियंक ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, भाजपा के पास करने के लिए और कुछ नहीं है, वे मुझे किसी भी तरह से बदनाम करना चाहते हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि वह व्यक्ति (कन्नी) कांग्रेस में पदाधिकारी था, जाहिर तौर पर वह महाराष्ट्र में 27,000 रुपये मूल्य की कफ सिरप बेचने की कोशिश कर रहा था।

कांग्रेस नेता ने भाजपा से सवाल किया कि उसने अपने विधायक मुनिरत्ना और येडीयुरप्पा के खिलाफ क्या कार्रवाई की है, जो विभिन्न आरोपों का सामना कर रहे हैं। प्रियंक ने कहा, आपके यहां (भाजपा) ऐसे लोग हैं जो दलितों को गाली देते हैं, जो महिलाओं के साथ बलात्कार करते हैं और आपकी पार्टी में पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) मामलों का एक आरोपी है और आप इसके बारे में बात नहीं करना चाहते...कम से कम हम कार्रवाई कर रहे हैं। अगर आपमें हिम्मत है तो मुनिरत्न और येडीयुरप्पा पर कार्रवाई करें और फिर मेरे बारे में बात करें।

बेंगलूरु में 15 और 16 को होगी एआईसीसी पिछड़ा वर्ग सलाहकार समिति की बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की पिछड़ा वर्ग सलाहकार समिति की बैठक 15 और 16 जुलाई को बेंगलूरु में होगी। कर्नाटक कांग्रेस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पार्टी ने एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार, कुछ पूर्व मुख्यमंत्री, विभिन्न राज्यों के वर्तमान और पूर्व मंत्री बैठक में भाग लेंगे। बैठक 15 जुलाई को शाम पांच बजे केपीसीसी कार्यालय में और 16 जुलाई को सुबह 10 बजे होटल शांगरी-ला में होगी। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या भी सलाहकार समिति के सदस्य हैं।

मस्जिद के तालाब में डूबने से 12 वर्षीय लड़के की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। उडुप्पी के बेंइन्दूर इलाके में बीती शाम एक दुखद घटना में एक 12 वर्षीय बालक गलती से एक मस्जिद के तालाब में फिसल गया और डूबने से उसकी मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मृतक की पहचान बेइन्दूर के अब्दुल रहीम के बेटे अयान रज़्ज़ा (12) के रूप में हुई है।

खबरों के मुताबिक, वह येदथारे गांव में जामिया मस्जिद के पास तालाब में अपने पैर धोने गया था तभी वह फिसलकर गहरे पानी में गिर और डूबने से उसकी मौत हो गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

कर्नाटक सरकार की 'शक्ति' योजना के तहत महिलाओं को 500 करोड़ मुफ्त बस यात्राएं प्रदान की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस सरकार की शक्ति' योजना के तहत महिलाओं को अब तक 500 करोड़ मुफ्त बस यात्राएं प्रदान की जा चुकी हैं। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने यहां एक महिला यात्री को 500 करोड़वीं मुफ्त टिकट जारी कर इस उपलब्धि का जश्न मनाया।

राज्य में महिलाओं को निशुल्क बस यात्रा की सुविधा देने वाली 'शक्ति' योजना, कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी योजनाओं में से एक है जिसे सरकार के सत्ता में आने के बाद लागू किया गया था अधिकारियों ने बताया कि यह योजना 11 जून, 2023 को शुरू की गई थी और अब तक इसके लिए सरकार को 12,669 करोड़ रुपये की लागत आ चुकी है।

कर्नाटक बैंक ने राघवेंद्र एस. भट को अंतरिम प्रबंध निदेशक और सीईओ नियुक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नईदिल्ली। निजी क्षेत्र के ऋणप्रदाता कर्नाटक बैंक ने सोमवार को कहा कि उसने राघवेंद्र श्रीनिवास भट को तीन महीने के लिए अपना अंतरिम प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। कर्नाटक बैंक ने शेयर बाजारों को दी सूचना में कहा कि यह नियुक्ति 16 जुलाई, 2025 से तीन महीने की अवधि के लिए या नियमित एमडी और सीईओ की नियुक्ति, जो भी पहले हो, तक प्रभावी होगी।

यह कदम श्रीकृष्णन हरिहर शर्मा द्वारा 29 जून को मुंबई स्थानांतरित होने के अपने फैसले सहित व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए एमडी और सीईओ के पद से इस्तीफा देने के बाद उठाया गया है।

इसके अलावा, कार्यकारी निदेशक शेखर राव ने मंगलूरु स्थानांतरित होने में असमर्थता और अन्य व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पद छोड़ दिया था। भट, ने दो जुलाई, 2025 को बैंक के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) का कार्यभार संभाला था, ने इस पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने वर्ष 1981 में बैंक में क्लर्क के रूप में अपना करियर शुरू किया।

कर्नाटक बैंक को विश्वास है कि भट की विशेषज्ञता और नेतृत्व बैंक को निरंतर विकास और सफलता की ओर ले जाएगा। भट ने कहा, मुझे कर्नाटक बैंक में प्रबंध निदेशक और सीईओ के रूप में शामिल होने पर गर्व है। बैंक द्वारा एक सदी से भी अधिक समय से बनाए गए विश्वास और सद्भावना के साथ, मैं उस मजबूत नींव को और मजबूत बनाने और आगे बढ़ाने के लिए सभी अंशधारकों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूँ। बैंक ने कहा कि यह नियुक्ति आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

मुख्यमंत्री, नेताओं ने सरोजा देवी को अभिनय 'सरस्वती' के रूप में याद किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने दिग्गज दक्षिण भारतीय अभिनेत्री बी. सरोजा देवी के निधन पर शोक जताया और उन्हें अभिनय 'सरस्वती' के रूप में याद किया। सरोजा देवी को इसी नाम से संबोधित किया जाता था। सरोजा देवी का सोमवार को बेंगलूरु में मल्लेश्वरम स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। वह 87 वर्ष की थीं। उन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी की 200 से अधिक फिल्मों में काम किया है।

सिद्दरामय्या ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए अपने शोक संदेश में कहा कि उनका जाना भारतीय सिनेमा के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा, जानी मानी कन्नड़ अभिनेत्री बी. सरोजा देवी के निधन की खबर बेहद दुखदायी है। उन्होंने तमिल, तेलुगु, हिंदी और कन्नड़ भाषाओं की 200 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया और उन्हें अभिनय 'सरस्वती' के नाम से जाना जाता था।''

उन्होंने कहा, 'जब हम सरोजा देवी के बारे में सोचते हैं तो कित्तूर चेन्नम्मा, बब्रुवाहन, अन्ना थांगी जैसी फिल्मों में उनके भावपूर्ण अभिनय हमारे जेहन में आते हैं। उन्होंने दशकों तक फिल्म प्रेमियों का मनोरंजन किया।'

उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने भी 'एक्स' पर कहा, अभिनय सरस्वती को भावपूर्ण विदाई।'' उन्होंने कहा, अभिनय सरस्वती के नाम से मशहूर वरिष्ठ कन्नड़ अभिनेत्री बी. सरोजा देवी के निधन की खबर दुखद है। उन्होंने पांच भाषाओं में अभिनय किया और छह दशकों तक फिल्म जगत की सेवा की।''

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनका निधन न केवल कन्नड़ बल्कि पूरे भारतीय सिनेमा के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि सरोजा देवी को भारतीय फिल्म उद्योग की महानतम अभिनेत्रियों में से एक माना जाता था। बोम्मई ने कहा, उन्होंने कई पौराणिक और ऐतिहासिक फिल्मों में अभिनय किया था और वह कन्नड़ लोगों के बीच एक जाना-पहचाना नाम थीं। कित्तूर चेन्नम्मा का उनका किरदार आज भी सभी को याद है।

उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धियों को देखते हुए पद्मश्री और पद्मभूषण पुरस्कार के लिए उनके नाम की सिफारिश की गई थी।

सुंदरता और दमदार अभिनय के दम पर नायकों की पसंदीदा रहीं सरोजा देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। महज 17 साल की उम्र में बी सरोजा देवी ने जब कन्नड़ फिल्म 'महाकवि कालिदास' (1955) से अपने अभिनय के सफर की शुरुआत की, तो पर्दे पर उनकी आकर्षक उपस्थिति ने तुरंत लोगों के दिलों में जगह बना ली। वह न केवल कन्नड़, बल्कि तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में भी मशहूर हुईं। सरोजा देवी सफलता ऐसी थी कि फिल्म 'महाकवि कालिदास' में उनके सह-कलाकार रहे अभिनेता-फिल्म निर्माता होन्नप्पा भगवतार ने अपनी उपलब्धियों में इस बात को भी शामिल किया है कि उन्होंने सरोजा देवी को सिनेमा में पदार्पण कराया। अभिनेता एवं फिल्मकार होन्नप्पा भगवतार को कन्नड़ सिनेमा के प्रारंभिक स्तंभों में गिना जाता है।

बेंगलूरु में जन्मी सरोजा देवी को अंततः कन्नड़ सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार का खिताब दिया गया। तमिल फिल्मों के दिग्गज और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम.जी. रामचंद्रन उर्फ एमजीआर ने सरोजा देवी के साथ 48 फिल्मों में अभिनय किया हुआ है। वह उन्हें भाग्यशाली मानते थे। फिल्मों में सरोजा देवी और एमजीआर की जोड़ी को लोगों को बहुत पसंद किया है। उनकी कुछ फिल्मों जैसे कि 'अनबे वा' (1966) को सबसे ज्यादा प्रसिद्धि मिली। उनकी पहली फिल्म 'नादोडी मन्नान' (1958) ने सरोजा देवी को रातोंरात सुपरस्टार बना दिया। सरोजा देवी ने दक्षिण भारत की लगभग सभी भाषाओं के साथ-साथ हिंदी फिल्मों में भी काम किया - उन्हें 'चतुर्भाषा तारे' की उपाधि भी मिली - लेकिन तमिल सिनेमा में उनका सितारा सबसे अधिक दमकता रहा।

तमिल भाषा की फिल्मों में उन्होंने बी. आर. पंथुलु की फिल्म 'थंगमलाई रागसियाम' (1957) में एक नृत्यांगना के रूप में शुरुआत की। वह तमिल फिल्म जगत में 'कन्नड़थु पैंगिली' (कन्नड़ का तोता) के रूप में पहचाने जाने लगीं। फिल्म नादोदी मन्नान' से तमिलनाडु में रातोंरात ख्याति पाने वाली सरोजा देवी ने हिंदी सिनेमा में अभिनय की शुरुआत की, जहां उन्होंने मुख्य भूमिका नहीं निभाई थी। दिलीप कुमार और वैजयंतीमाला अभिनीत फिल्म 'पैगाम' (1959) को लोगों ने बहुत पसंद किया और सरोजा देवी ने इसमें छोटी भूमिका' निभाई थी, इसके बावजूद उन्होंने लोगों और निर्देशकों के दिलों में अपनी जगह बना ली।

उन्होंने राजेंद्र कुमार के साथ फिल्म 'ससुराल' (1961), सुनील दत्त के साथ बेटी बेटे (1964) और शम्मी कपूर के साथ 'प्यार किया तो डरना क्या' (1963) जैसी फिल्मों में काम किया। सरोजा देवी अभिनीत सभी फिल्मों में मुख्य अभिनेता के साथ जबरदस्त तालमेल के कारण वह नायकों की पसंदीदा बन गईं। उन्होंने सिर्फ एमजीआर के साथ ही नहीं बल्कि उस समय के अन्य प्रमुख अभिनेताओं के साथ भी काम किया। चाहे वे किसी भी भाषा के हों, जिसमें शिवाजी गणेशन, जेमिनी गणेशन, डॉ. राजकुमार और एन.टी. रामा राव (एनटीआर) शामिल थे।

भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने सरोजा देवी को न केवल पद्मश्री (1969) और पद्म भूषण (1992) से सम्मानित किया बल्कि 2008 में भारत के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान उन्हें 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' भी प्रदान किया। उन्होंने कई राज्य पुरस्कार भी जीते, जिनमें 2009 में तमिलनाडु सरकार द्वारा दिया गया प्रतिष्ठित कलैमामणि लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी शामिल है। सरोजा देवी ने तमिल टेलीविजन चैनल को दिए साक्षात्कार में बताया था कि किस तरह सभी पीढ़ियों के सितारों ने हमेशा उन पर प्यार बरसाया है और उन्होंने उनके साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखा, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो।

तमिलनाडु सरकार ने पहली बार वरिष्ठ नौकरशाहों को आधिकारिक प्रवक्ता नियुक्त किया

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को कहा कि उसने सरकारी योजनाओं की जानकारी मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचाने के लिए चार वरिष्ठ नौकरशाहों को अपना आधिकारिक प्रवक्ता नियुक्त किया है। यह पहली बार है, जब राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारियों को इस पद पर तैनात किया है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार इस कदम से न केवल समय पर सूचना का प्रसार सुनिश्चित होगा, बल्कि जनसंचार भी मजबूत होगा। अधिकारी प्रमुख विभागों की जानकारी उपलब्ध कराएंगे। वे सत्यापित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए सरकारी विभागों के बीच समन्वय भी स्थापित करेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत जे. राधाकृष्णन, गगनदीप सिंह बेदी, धीरज कुमार और पी. अमुधा को सरकारी प्रवक्ता नियुक्त किया गया है।

पूर्व मिस पुडुचेरी सैन रेशल ने आत्महत्या की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी/दक्षिण भारत । पूर्व मिस पुडुचेरी सैन रेशल ने रक्तचाप नियंत्रण करने वाली गोलियां कथित रूप से काफी अधिक मात्रा में खाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि मशहूर मॉडल और सोशल मीडिया हस्ती सैन रेशल (26) ने कथित तौर पर अवसाद और वित्तीय तनाव के कारण आत्महत्या कर ली।

पुलिस के अनुसार रेशल के पिता ने उसे आर्थिक मदद देने में असमर्थता जताई थी। इसके बाद, उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने बताया कि रेशल को पहले यहां एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में दो अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया। पुलिस के अनुसार 12 जुलाई को रेशल की मृत्यु हो गई। इस संबंध में ओरलियनपेट थाने में मामला दर्ज किया गया है। शादी के कुछ ही साल बाद रेशल की मौत हुई है, इसलिए तहसीलदार स्तर की जांच भी शुरू की गई है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

निविदा सूचना सं: 14 UBL 2025-26
दिनांक: 02.07.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
हुबली विभाग में नई लाईनों पर नव निर्मित सिग्नलिंग संपत्तियां का रखरखाव करने के लिए मानवशक्ति का नियुक्ती।	रु. 3,69,32,058.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 31.07.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

सहायक विभागीय सिग्नल व दूरसंचार इंजीनियर/हुबली

PUB/288/AAMO/PRB/SWR/2025-26

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

जनता की समस्याओं के निस्तारण के लिए कटिबद्ध है सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ सेवा को अपना मूल मंत्र मानते हुए आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने राज्य भर में जनसुनवाई का ऐसा तंत्र विकसित किया है जो शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के साथ ही जरूरतमंद को त्वरित सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराने में कारगर साबित हो रहा है। शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। उन्होंने आमजन की शिकायतों को सुना तथा अधिकारियों को उनके संतोषपूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अवसर उन्होंने कहा कि अधिकारी सुराज के संकल्पों को साकार करने की दिशा में आमजन को बुनियादी सुविधाएं नियमित और निर्बाध रूप से उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि जनकल्याण ही राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा तथा ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी जनता की शिकायतों को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया।

इससे पहले शर्मा ने सावण माह के पहले सोमवार के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित राजराजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का सहस्त्र अभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

जयपुर निवासी का अफ्रीकी देश माली में अपहरण, परिवार ने केंद्र सरकार से लगाई गुहार

जयपुर। पश्चिम अफ्रीकी देश माली में एक जुलाई को अगवा किए गए तीन भारतीय नागरिकों में शामिल जयपुर निवासी प्रकाश जोशी (61) के परिवार ने भारत सरकार से उनकी रिहाई के लिए प्रयास तेज करने का अनुरोध किया है। प्रकाश जोशी की पत्नी सुमन जोशी ने बताया कि उनके पति ने पांच जून को माली स्थित 'डायमंड सीमेंट फैक्टरी' में महाप्रबंधक के पद पर कार्यभार संभाला था। उनकी अपने पति से आखिरी बार 30 जून को बात हुई थी। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''उन्होंने मुझे बताया कि उनकी तबियत ठीक नहीं है। मैंने उनसे जल्द से जल्द घर लौटने को कहा। इसके बाद उनका फोन नहीं मिल रहा था। मुझे लगा कि नेटवर्क में कोई समस्या है, लेकिन दो जुलाई को मेरी बेटी को उनके अपहरण की जानकारी मिली।''

जोशी का एक जुलाई की सुबह उस कारखाना परिसर से अगवा कर लिया गया जहां वे काम करते थे। कारखाने के अधिकारियों ने उनकी बेटी चित्रा जोशी को फोन कर घटना की जानकारी दी। समुन ने कहा, ''हम विदेश मंत्रालय के संपर्क में हैं।

पूजा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रावण मास के प्रथम सोमवार के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का सहस्त्राभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने सपत्नीक विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

चित्तौड़गढ़ में निलिया महादेव झरने में बहने से तीन नर्सिंग छात्रों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ जिले के बस्सी थाना क्षेत्र में स्थित निलिया महादेव झरने में रविवार को पिकनिक मनाने गए तीन नर्सिंग छात्रों की पानी में बह जाने से मौत हो गई। ये तीनों छात्र मारवाड़ क्षेत्र के निवासी थे और चित्तौड़गढ़ में नर्सिंग की ट्रेनिंग ले रहे थे। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में अच्छी बारिश के कारण प्राकृतिक जलस्रोत पूरे वेग के साथ बह रहे थे। रविवार को छुट्टी का दिन होने के कारण बड़ी संख्या में लोग बस्सी थाना क्षेत्र स्थित निलिया महादेव झरने पर पिकनिक मनाने और उसका आनंद लेने पहुंचे थे। चंदेरिया में नर्सिंग ट्रेनिंग ले रहे तीन दोस्तनरेंद्र पुत्र सीताराम जाट (निवासी सतलावास, थाना मेड़ता, जिला नागौर), नरेंद्र पुत्र बाबूराम जाट (निवासी थाना गोटन, जिला नागौर), और प्रदीप पुत्र श्रवणराम बिश्नोई (निवासी बालाजी नगर, जोधपुर)भी रविवार को निलिया महादेव झरने पर पहुंचे थे। रविवार दोपहर करीब 3 बजे, जब तीनों झरने में नहा रहे थे, तभी ऊपरी क्षेत्र में हुई तेज बारिश के कारण पानी का बहाव अचानक बढ़ गया और तीनों उसमें बह गए।

सूचना मिलते ही बस्सी थानाधिकारी मनीष वैष्णव अपनी टीम और गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंचे और तलाश अभियान शुरू किया। नरेंद्र पुत्र बाबूराम जाट का शव रविवार शाम को ही गोताखोरों ने ढूंढ निकाला था। हालांकि, अन्य दो शव संभवतः चट्टानों में फंस जाने के कारण रविवार को नहीं मिल पाए। सोमवार सुबह, ऊपरी पहाड़ी क्षेत्र में फिर से हुई तेज बारिश के कारण पानी का वेग बढ़ा, जिससे शेष दोनों शव संभवतः चट्टानों से बाहर आ गए और गोताखोरों को उन्हें ढूंढने में सफलता मिली। पुलिस ने तीनों शवों का बस्सी उप जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम कराया और फिर परिजनों को सौंप दिया। तीनों युवकों की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है, और वे शहर में किराए के मकान में रहकर नर्सिंग की ट्रेनिंग कर रहे थे। यह घटना प्राकृतिक जलस्रोतों पर पिकनिक मनाने जाते समय अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता को रेखांकित करती है, विशेषकर बारिश के मौसम में जब पानी का बहाव अप्रत्याशित रूप से बढ़ सकता है।

निर्माण कार्यों में सुनिश्चत हो आईएस कोड की सख्ती से पालना : रावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय मानक ब्यूरो और जल संसाधन विभाग द्वारा सोमवार से विभाग के अधिकारियों और अभियंताओं के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला शुरू हुई। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में दो दिवसीय कार्यशाला का विधिवत उद्घाटन किया। रावत ने कहा कि जल संसाधन विभाग पर प्रकृति के बहुमूल्य संसाधन 'जल' के संरक्षण, प्रबंधन एवं सदुपयोग का दायित्व है। विभिन्न वृहद, मध्यम, लघु और माइक्रो स्तर पर जल भंडारण ढांचों एवं वितरण प्रणाली के निर्माण, उनकी सुरक्षा और रख-रखाव का कार्य विभाग की बड़ी जिम्मेदारी है। इसलिए जीवनदायिनी जल संरचनाओं के निर्माण कार्य सुरक्षित, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल कराना सुनिश्चित किया जाए।

जल संसाधन मंत्री ने कहा कि आधारभूत संरचनाएं देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। हमारी केन्द्र और राज्य की सरकारें सड़क, रेल, बंदरगाह, पुल, विद्युत, जल परियोजनाओं, बांध निर्माण, सिंचाई नहर प्रणाली जैसी आधारभूत संरचनाओं में लगातार पूंजी निवेश बढ़ा रही हैं। इसलिए विभागीय कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए आईएस कोड की सख्ती से पालना की जाए। उन्होंने कहा कि हमारे लिए गुणवत्ता सर्वोपरि होनी चाहिए। यह कार्यशाला विभागीय कार्यों में बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में 'विरासत भी-विकास भी' के विजन के साथ जल परियोजनाओं को बढ़ाया जा रहा हैं। मुख्यमंत्री का संकल्प है कि कार्य समयबद्ध और गुणवत्ता से पूर्ण किए जाएं। कार्यों की गुणवत्ता में जीरो टॉलरेंस अपनाएं।

जल संसाधन मंत्री ने भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारियों से कहा कि विभागीय अभियंताओं को आईएस कोड एवं नवाचारों और बदलावों के संबंध में नियमित जागरूक करते रहें। उन्होंने विश्वास जताया कि कार्यशाला अभियंताओं की कार्यक्षमता और गुणवत्ता के प्रति जागरुकता को और अधिक मजबूत बनाएगी। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता एवं अतिरिक्त सचिव भुवन भास्कर ने कहा कि जल संसाधन से जुड़े कार्यों में गुणवत्ता मानकों की समझ और उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह कार्यशाला विभागीय कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ बनाएगी। उद्घाटन सत्र में भारतीय मानक ब्यूरो जयपुर शाखा से संयुक्त निदेशक रमन कुमार त्रिवेदी ने दो दिवसीय कार्यशाला और ब्यूरो की गतिविधियों से अवगत कराया।

कार्यशाला में प्रथम दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से विशेषज्ञों ने जल संरचनाओं, पाइपलाइन नेटवर्क, जल गुणवत्ता और जल संरक्षण से संबंधित मानकों की जानकारी दी। इसमें फील्ड अभियंताओं के साथ व्यावहारिक अनुभव साझा करते हुए उन्हें नवीनतम तकनीकी दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारी, जल संसाधन विभाग के अभियंता एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

भरतपुर संभाग में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान में भरतपुर संभाग में भारी बारिश के कारण आम जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार संभाग के अधिकांश नदी नालों एवं बांधों के लबालब होने के बाद की जा रही जलनिकासी से ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह जलभराव होने से बाढ़ जैसे हालात हैं। तेज बारिश और बांधों से जलनिकासी की वजह से खेत जलमग्न हो गये हैं, इससे हाल ही में बोयी गयी बाजरे की फसलें खराब हो गयी।

भरतपुर में बारैठा बांध में पानी की आवक चेतावनी स्तर पर पहुंचने के बाद रविवार को देर रात उसके तीन द्वार खोलकर जलनिकासी की गयी। इससे भरतपुर जिले के कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गये हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों के अवरुद्ध हो जाने से लोग घरों में कैद हैं। करौली स्थित सबसे बड़े पाँचना बांध के दो द्वार खोलकर जलनिकासी की जा रही है। साथ ही करौली के अन्य कई बांध भी छलकने लगे हैं। धौलपुर के सैपऊ में पार्वती नदी उफान पर है। बयाना उपखंड क्षेत्र में रविवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश के कारण जिले का सबसे बड़ा बारैठा बांध पूरी तरह भर गया है। डांग इलाके में लगातार बारिश के कारण बांध का जलस्तर 28 फुट को पार कर गया, जबकि इसकी कुल भराव क्षमता 29 फुट है।

ऐसे में एहतियातन जल संसाधन विभाग ने सोमवार को सुबह तीन द्वार चार-चार फुट खोलकर पानी की निकासी शुरू कर दी है। सूत्रों ने बताया कि बांध से छोड़ा गया पानी कुकुंद नदी के जरिये पुराबाई खेड़ा, कोठीखेड़ा, नारौली जैसे दर्जनों गांवों तक पहुंच रहा है। पानी की अधिकता से बयाना-बसेड़ी राजमार्ग पर पानी बह रहा है, जिससे यातायात बाधित हुआ है और लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। सूत्रों के अनुसार सवाई माधोपुर में रविवार रात से भारी बारिश का दौर शुरू हुआ दौर सोमवार सुबह तक चलता रहा। करौली में भी कल रातभर भारी हुई बारिश से मण्डरायल के नीदर बांध एवं मामचारी बांध पर दो इंच से अधिक की चादर चल निकली है। धौलपुर के सैपऊ में पार्वती नदी उफान पर है, इससे नदी के पुराने पुल पर एक फुट ऊपर से पानी बह रहा है। भारी बारिश के बीच संभाग के हिंडौन सिटी की अग्रसेन विहार कॉलोनी में कई मकानों पर बिजली गिरने से मकानों में दरारें आने और बिजली के मीटर, इनवर्टर और बैटरी में विस्फोट हुये हैं। इससे कई मकानों में बिजली के उपकरण खराब हो गये हैं।

ग्लोबल मेडिकल टूरिज्म हब बनेगा राजस्थान : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित मंत्रिमण्डल की बैठक में नियोजित नगरीय विकास को प्रोत्साहन देने, मेडिकल ट्यूरिज्म को बढ़ावा देने, अक्षय ऊर्जा सहित ऊर्जा क्षेत्र के विकास, कर्मचारी कल्याण एवं विभिन्न संवर्गों के कार्मिकों के लिए पदोन्नति के अधिक अवसर उपलब्ध करवाने से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसले किए गए।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चन्द बैरवा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राजस्थान को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं और बुनियादी ढांचे के साथ प्रमुख मेडिकल टूरिज्म हब बनाने के उद्देश्य से मंत्रिमण्डल की बैठक में मेडिकल वैल्यू ट्रेवल पॉलिसी (हील इन राजस्थान नीति-2025) के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। यह नीति राजस्थान को सुलभ, किफायती लागत और भरोसेमंद मेडिकल वैल्यू ट्रेवल (एम.वी.टी.) डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करेगी। यह नीति स्वास्थ्य और पर्यटन क्षेत्रों को एकीकृत करके आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, और वैश्विक ब्रांडिंग को बढ़ावा देगी। इस नीति के तहत निवेशकों को राजस्थान निवेश संवर्धन योजना (रिप्स), राजस्थान औद्योगिक विकास नीति और पर्यटन नीति के तहत प्रोत्साहन उपलब्ध कराये जायेंगे तथा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप और वायबिलिटी गैप फंडिंग का भी उपयोग किया जाएगा।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बताया कि हील इन राजस्थान नीति-2025 से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के साथ एमवीटी से जुड़े डिजिटल इकोसिस्टम का विकास सुनिश्चित होगा। मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित हो सकेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों जैसे आयुर्वेद, योग, यूनानी, और सिद्ध को भी बढ़ावा दिया जायेगा। इस पॉलिसी के तहत एक समर्पित एमवीटी सेल की स्थापना की जायेगी तथा एमवीटी सुविधा प्रदाता और सेवा प्रदाताओं को प्रमाणित किया जायेगा। पॉलिसी के तहत एमवीटी पोर्टल और मोबाइल एप विकसित किया जायेगा एवं टेलीमेडिसिन, बायोटेक्नोलॉजी और एप-आधारित डायग्नोस्टिक्स में प्रगति को बढ़ावा दिया जायेगा। साथ ही, टेलीकंसल्टेशन और बहुभाषी हेल्पलाइन सेवाएं स्थापित की जाएगी।

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए नियोजित विकास को बढ़ावा देने के लिए नवीन टाउनशिप पॉलिसी-2024 लाई जाएगी। इस नीति के क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा हेतु राज्य स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा, जिससे शहरी योजनाओं के विकास में आने वाली समस्याओं का त्वरित निदान हो सकेगा। उन्होंने बताया कि इस नीति में सभी क्षेत्रफल की आवासीय योजनाओं में एकरूपता के दृष्टिगत 7 प्रतिशत पार्क व खेल मैदान एवं 8 प्रतिशत सुविधा क्षेत्र का प्रावधान किया गया है। योजना के पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी होने के पश्चात विकास कार्यों का रख रखाव 5 वर्ष की अवधि अथवा योजना के रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को हस्तान्तरण किया जाने तक योजना के 2.5 प्रतिशत भूखण्ड रहन रखे जाने का प्रावधान किया गया है।

राज्य की सहकारी समितियों के उत्पादों की होगी अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, 14 जुलाई। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक के कुशल नेतृत्व एवं सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल के मार्गनिर्देशन में राज्य में सहकार से समृद्धि कार्यक्रम की बेहतर क्रियान्विति की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को राजस्थान राज्य कय विक्रय सहकारी संघ लि. (राजफेड) एवं राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लि. के मध्य महत्वपूर्ण एमओयू हुआ, जिससे राज्य की सहकारी समितियों के उत्पादों की अब अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच होगी।

राजफेड कार्यालय में सम्पन्न हुई एमओयू की प्रक्रिया में राजफेड की ओर से प्रबंध निदेशक टीकम चन्द बोहरा एवं एनसीईएल की ओर से प्रबंध निदेशक अनुपम कौशिक ने हस्ताक्षर किए। आगामी दिनों में सहकारी समितियों के माध्यम से जुडे सदस्यों को प्रत्यक्ष रूप से इस एमओयू का लाभ मिलेगा। दोनों संस्थाओं के मध्य एमओयू होने से सहकारी समितियों को निर्यात के क्षेत्र में कार्य करने का अवसर मिलेगा।

इससे प्रदेश के उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी तथा सहकारी समितियों की आय में वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि सहकारी समितियों की आय में वृद्धि के दृष्टिगत केन्द्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर तीन बहु राज्यीय सहकारी समितियों का गठन किया गया है। राजफेड को राज्य सरकार द्वारा इन तीनों समितियों हेतु नोडल एजेंसी नामित किया गया है। पूर्व में राजफेड का भारतीय बीज सहकारी समिति लि. और राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक्स लि. के साथ एमओयू हो चुका है। इस अवसर पर राजफेड के महाप्रबन्धक (मा.सं.वि.) डॉ. अमित शर्मा एवं सहकार से समृद्धि के कंसल्टेन्ट आर.एस. जोधा, एनसीडीसी प्रतिनिधि सुनील छापोला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

बीकानेर। राजस्थान में बीकानेर के गंगाशहर थाना क्षेत्र में रविवार देर रात एक सड़क दुर्घटना में दो नर्सिंग छात्रों सहित सहित तीन लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि खुमाराम (21) और इंद्र कुमार (21) रात करीब एक बजे भोजन करने के बाद अपने निवास पर मोटर साइकिल से लौट रहे थे।

जोधपुर-जयपुर बाइपास पर सांगाणा टोल रोड के पास विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी मोटर साइकिल को टक्कर मार दी। इससे दोनों उछलकर सड़क पर गिर गये। इसी दौरान एक राहगीर अरविंद कुमार भी इनकी चपेट में आ गया। इससे तीनों गंभीर रूप से घायल हो गये।

फुलवारा गोलीकांड के मृतक अशोक का पोस्टमार्टम, दो आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर। चिकसाना थाना क्षेत्र के फुलवारा गांव में हुए गोलीकांड के मृतक अशोक के शव का आज जिला अस्पताल की मोर्चरी में मेडिकल बोर्ड द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया और उसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस हत्याकांड को लेकर फुलवारा गांव में भारी आक्रोश है।

जानकारी के अनुसार, पीपला गांव के पांच असामाजिक तत्वों ने फुलवारा गांव निवासी अशोक की गोली मारकर हत्या कर दी थी। ग्रामीणों के आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

वहीं, अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया गया है और उन्हें जगह-जगह दबिश देने के लिए भेजा गया है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय विधायक डॉ. सुभाष गर्ग सुबह ही जिला अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने गांव के लोगों को आश्वस्त किया कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और पुलिस सभी आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लेगी।

युवा मामले और खेल मंत्रालय 'विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा' पर सम्मेलन आयोजित करेगा

नई दिल्ली/भाषा। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय युवाओं को नशे की लत के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के लिए 18 से 20 जुलाई तक वाराणसी में तीन दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन करेगा।

'नशा मुक्त युवा, विकसित भारत के लिए' नाम से आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य 2047 तक भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति तैयार करना है। इसके लिए पंजीकरण 18 जुलाई को शुरू होगा जबकि सम्मेलन की शुरुआत इसके अगले दिन होगी। सम्मेलन में चर्चा के आधार पर 'काशी घोषणापत्र' के नाम से कार्य योजना जारी की जायेगी।

इस सम्मेलन में स्वास्थ्य मंत्रालय, सामाजिक न्याय मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, नालसा (राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण) और 100 आध्यात्मिक संगठनों के युवा विभाग एक साथ मंच पर आएंगे।

भविष्य के लिए तैयार हों उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को वैश्विक प्रगति के साथ तालमेल बैठाने और उभरती हुई चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तैयार होना चाहिए।

आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में एक हजार करोड़ रुपए की विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केजीएमयू ने अपनी 120 साल की यात्रा में लगातार मील के पत्थर स्थापित किए हैं और भारत

में एक प्रतिष्ठित संस्थान बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''किसी संस्थान या व्यक्ति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वे समय की गति के साथ कितनी अच्छी तरह तालमेल बैठाते हैं। जो पहले से तैयारी करते हैं, वे प्रगति करते हैं। जो ऐसा नहीं करते वे पतन का सामना करते हैं।'' उन्होंने कहा कि केजीएमयू और एसजीपीजीआई (संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान) न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पड़ोसी राज्यों और नेपाल के मरीजों के लिए भी विश्वसनीय केंद्र बन गए हैं। आदित्यनाथ ने इस बात पर जोर दिया कि गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलने के यकीन की वजह से लोगों को केजीएमयू और एसजीपीजीआई पर भरोसा है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा में प्रौद्योगिकी के महत्व पर भी प्रकाश डाला और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-कानपुर द्वारा शुरू की गई एक नई चिकित्सा विज्ञान पहल को एक उत्कृष्टता केंद्र के साथ जोड़ने के प्रयासों की घोषणा भी की। उन्होंने कहा, ''हम आईआईटी कानपुर स्थित चिकित्सा प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केंद्र और केजीएमयू तथा एसजीपीजीआई जैसे संस्थानों के बीच सहयोग स्थापित करने की दिशा में काम कर रहे हैं।'' मुख्यमंत्री ने राज्य में चिकित्सा शिक्षा के तेजी से विस्तार पर जोर देते हुए कहा, ''वर्ष 1947 में हमारे पास बहुत कम सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। लेकिन पिछले साल ही 17 कॉलेजों में दाखिले हुए, जिनमें से 13 सरकारी, तीन पीपीपी (निजी-सार्वजनिक भागीदारी) मोड और एक निजी है। आज हम उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में से प्रत्येक में एक मेडिकल कॉलेज खोलने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।''

संध्या माझी ओडिशा की पहली महिला सरकारी ड्राइवर बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले की 45 वर्षीय संध्या रानी माझी राज्य में सरकारी वाहन चालक के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला बन गई हैं। अधिकारियों ने इस घटनाक्रम को ओडिशा में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम करार दिया है।

मयूरभंज के सुलेईपत गांव की रहने वाली संध्या का सफर दृढ़ संकल्प और साहस की कहानी बयां करता है। वह कहती हैं, ''मुझे बचपन से ही कार और ड्राइविंग का शौक रहा है। यह (कार चलाना) हमेशा से मेरा सपना था।'' उन्होंने मोटरसाइकिल चलाकर अपने सपनों को जीना शुरू किया और बाद में कार चलाने लगीं। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद संध्या ने मयूरभंज जिले के जशीपुर इलाके के एक ड्राइवर से शादी कर ली और बाद में टैक्सी चलाने लगीं। उन्होंने 2011 में हल्का मोटर वाहन लाइसेंस हासिल किया। राज्य परिवहन प्राधिकरण के तहत आने वाले जाजपुर जिले के छतिया ड्राइविंग प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण पूरा करने के बाद 2023 में उन्हें भारी मोटर वाहन लाइसेंस मिला। अधिकारियों ने बताया कि संध्या ने बीच में पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण भुवनेश्वर के एक ब्यूटी पार्लर में भी काम किया।

गांवों में बेरोजगारी के खिलाफ मनरेगा 'सबसे मजबूत हथियार': ग्रामीण विकास राज्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री चंद्रशेखर पेम्मासानी ने सोमवार को कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) खासकर खेती उम्मीद के मुताबिक नहीं होने की स्थिति में गांवों में बेरोजगारी और संकटपूर्ण प्रवास के खिलाफ सबसे मजबूत हथियार है।

पेम्मासानी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मंत्रालय की निष्पादन समीक्षा समिति की पहली बैठक में विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों और हितधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि इस योजना ने टिकाऊ एवं उपयोगी परिसंपत्तियों का निर्माण किया है। मंत्री ने कहा कि एक 'विकसित गांव' जहां हर परिवार के पास बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का घर हो, हर गांव गुणवत्तापूर्ण सड़कों से जुड़ा हो, हर ग्रामीण युवा के पास रोजगार के अवसर हों और हर महिला सशक्त एवं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो, यह कोई दूर का सपना नहीं, बल्कि एक ऐसी वास्तविकता है, जिसे हासिल किया जा सकता है।

पेम्मासानी ने मनरेगा के बारे में कहा कि यह ''खासकर उम्मीद के अनुसार खेती नहीं होने की स्थिति में ग्रामीण बेरोजगारी और संकटग्रस्त प्रवास के खिलाफ सबसे मजबूत हथियार है।'' उन्होंने कहा कि इस योजना के परिणामस्वरूप कृषि तालाब, चेकडैम, सिंचाई नहरें, पौधारोपण, आगनवाड़ी, ग्रामीण सड़कों जैसी टिकाऊ और उपयोगी संपत्तियां बनी हैं।

संभल में 46 साल बाद खुले कार्तिकेय महादेव मंदिर में लगा शिव भक्तों का तांता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संभल/भाषा। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में 46 साल बाद खुले कार्तिकेय महादेव मंदिर में श्रावण माह के पहले सोमवार को शिव भक्तों का हुजूम उमड़ा और श्रद्धालुओं ने मंदिर में रुद्राभिषेक किया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

संभल के नखासा क्षेत्र के खग्गू सराय मोहल्ले में स्थित इस प्राचीन कार्तिकेय महादेव मंदिर में अपराह्न एक से तीन बजे तक पूजा-अर्चना का कार्यक्रम हुआ। इससे पहले, चौबीस कोसीय मासिक परिक्रमा समिति के तत्वावधान में आचार्य पंडित विनीत शर्मा, पंडित विशाल शर्मा और पंडित वैभव शास्त्री ने विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ भगवान शिव का रुद्राभिषेक संपन्न कराया। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय पुलिस के साथ-साथ त्वरित प्रतिक्रिया बल की

टुकड़ी भी तैनात की गई। मंदिर परिसर और श्रद्धालुओं की गतिविधियों पर सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी गई। चौबीस कोसीय परिक्रमा समिति ने श्रावण मास में संभल के कार्तिकेश्वर मंदिर, संभलेश्वर मंदिर, चंद्रेश्वर मंदिर और भुवनेश्वर मंदिर में भी रुद्राभिषेक का आयोजन किया। श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर भगवान शिव से मनोकामनाएं मांगी। करीब 46 साल बाद इस कार्तिकेय महादेव मंदिर के कपाट खुलने के बाद आज श्रावण के पहले सोमवार को शिव भक्तों ने जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया। चौबीस कोसीय परिक्रमा समिति के पदाधिकारी राजकुमार शर्मा ने बताया कि 46 साल बाद खुले इस कार्तिकेय महादेव मंदिर में शिव भक्तों ने जलाभिषेक और रुद्राभिषेक किया। उन्होंने कहा कि समिति की ओर से श्रावण मास में संभल के कार्तिकेश्वर मंदिर, संभलेश्वर मंदिर, चंद्रेश्वर मंदिर और भुवनेश्वर मंदिर में आज रुद्राभिषेक किया गया है। यह श्रावण मास के हर सोमवार को किया जाएगा।

झारखंड पुलिस ने चोरी के आरोपी युवक को गिरफ्तार किया

10 लाख रुपए कीमत के 62 मोबाइल फोन बरामद

सरायकेला/भाषा। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में सोमवार को 20 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी के 62 मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपए से अधिक है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (सरायकेला) समीर सवाया ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए खरसावां थाना प्रभारी गौरव कुमार के नेतृत्व में पुलिस दल ने खरसावां थाना क्षेत्र के बड़ा आमदा गांव में हिमांशु मोदी नामक युवक के घर पर छापा मारा और चोरी के 62 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कीमत 10 लाख रुपए से अधिक है।

नागरिकों को भाषण व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के संबंध में दिशानिर्देशों पर विचार करते हुए कहा कि नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की अहमियत समझनी चाहिए और आत्म-नियमन का पालन करना चाहिए। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ वजाहत खान नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही है। खान के खिलाफ पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में प्राथमिकी दर्ज हैं। उस पर 'एक्स' पर एक हिंदू देवता के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है।

शीर्ष अदालत ने 23 जून को खान को 14 जुलाई तक किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था।

खान ने एक अन्य 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर' शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ एक वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी।

उसके वकील ने शीर्ष अदालत में कहा कि ऐसे पोस्ट के जवाब में आपत्तिजनक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''नागरिकों को भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की अहमियत समझनी चाहिए। वैसे तो कोई नहीं चाहता कि राज्य हस्तक्षेप करे, लेकिन उल्लंघन की स्थिति में सरकार कदम उठा सकती है।'' न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''सोशल मीडिया पर इन सभी विभाजनकारी प्रवृतियों पर रोक लगानी होगी।''

पटनायक ने कनाडा में रथयात्रा के दौरान अंडे फेंके जाने की घटना पर चिंता जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। बीजू जनता दल (बीजद) अध्यक्ष नवीन पटनायक ने कनाडा के टोरंटो में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं पर अंडे फेंके जाने की कथित घटना को लेकर सोमवार को चिंता व्यक्त की। पूर्व मुख्यमंत्री पटनायक ने पोस्ट में कहा, कनाडा के टोरंटो में रथयात्रा समारोह के दौरान श्रद्धालुओं पर अंडे फेंके जाने की खबरों के बारे में जानकर बहुत व्यथित हूं। ऐसी घटनाएं न केवल दुनिया भर में भगवान जगन्नाथ के भक्तों की भावनाओं को आहत

करती हैं, बल्कि ओडिशा के लोगों को भी गहरी पीड़ा पहुंचाती हैं, जिनके लिए यह त्योहार गहरा भावनात्मक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता पटनायक ने कहा कि यदि मीडिया की ये खबरें सही हैं, तो ओडिशा सरकार को मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और विदेश मंत्रालय से कनाडाई अधिकारियों के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज करने का आग्रह करना चाहिए।

आत्मदाह की कोशिश करने वाली एफएम कॉलेज की छात्रा की हालत गंभीर, लेकिन स्थिर

भुवनेश्वर/भाषा। एक शिक्षक द्वारा कथित तौर पर ''यौन उत्पीड़न'' किये जाने के मामले में न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने वाली 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा की हालत सोमवार को लगातार तीसरे दिन गंभीर बनी हुई है। यहां अस्पताल सूत्रों ने यह जानकारी दी। भुवनेश्वर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के अधीक्षक डॉ. दिलीप परिदा ने कॉलेज छात्रा की हालिया स्वास्थ्य स्थिति के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया, ''मरीज की हालत निश्चित तौर पर गंभीर, लेकिन स्थिर है। हम स्थिर इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि उसकी स्वास्थ्य स्थिति वैसी ही बनी हुई है जैसी कि शनिवार शाम को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के वक्त थी। हालांकि, स्वास्थ्य स्थिति में कोई सुधार नहीं आया है। अगले 72 घंटे बहुत अहम हैं।''

बिहार में 'जंगल राज', पानी से ज्यादा आसानी से मिलती है शराब : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार के पूर्णिया में पिछले दिनों हुई एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या की घटना का हवाला देते हुए सोमवार को राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार में 'जंगलराज' होने का आरोप लगाया और दावा किया कि प्रदेश में पीने का पानी और सुरक्षा नहीं मिल रही है, लेकिन शराब आसानी से मिल रही है।

अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने हाल में पीड़ित परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की पीड़ितों के संबंधियों से फोन पर बात भी करवाई थी। उन्होंने कहा कि इस

घटना के दोषियों को सजा दिलाने के साथ ही अंधविश्वास और 'मॉब लिंचिंग (भीड़ द्वारा पीट पीटकर मार देना)' जैसे अपराधों की रोकथाम के लिए कठोर कानूनों का इस्तेमाल हो तथा शराब की बिक्री रोकी जाए। बीते छह जुलाई को पूर्णिया जिले में जादू-टोना करने के संदेह में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी और उनके शवों को जला दिया था। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। भूरिया ने संवाददाताओं से कहा, ''राहुल गांधी जी के निर्देश पर हम पूर्णिया गए और व्यक्तिगत रूप से उस परिवार से मिले, लेकिन वहां जो हमने देखा, वो बहुत दुखद था। पूरा का पूरा गांव खाली हो गया है, वहां डर का माहौल है। राहुल गांधी जी ने स्वयं पीड़ितों के परिजन से बात की।'' उन्होंने सवाल किया कि यदि राहुल गांधी को बिहार के उस परिवार की चिंता है तो बिहार में बैठे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चिंता क्यों नहीं है? आदिवासी कांग्रेस के प्रमुख ने दावा किया कि हत्या की इस घटना को अंजाम देने वाले शराब के नशे में थे और यह उस राज्य की स्थिति जहां शराब प्रतिबंधित है। भूरिया ने आरोप लगाया कि बिहार में लोगों को पीने का पानीं नहीं मिल रहा है और न ही सुरक्षा मिल रही है, लेकिन शराब जरूर आसानी से मिल रही है।

उप्र में विद्यालयों का विलय का आदेश शिक्षा के अधिकार के खिलाफ : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में सैकड़ों सरकारी विद्यालयों के विलय का आदेश शिक्षा के अधिकार, दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक, गरीब और वंचित तबकों के खिलाफ है।

राज्य सरकार का कहना है कि इस कदम का मकसद स्कूलों के 'विलय' या उन्हें 'बंद' करना नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों की कम संख्या वाले संस्थानों में संसाधनों के बेहतर उपयोग के उद्देश्य से उन्हें जोड़ने की कवायद है। प्रियंका गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ''उत्तर प्रदेश सरकार विलय के नाम पर करीब 5,000 सरकारी स्कूलों को

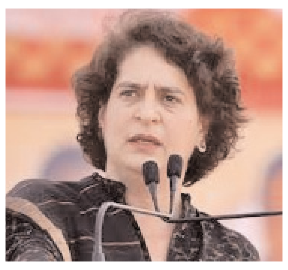

बंद करने जा रही है। शिक्षक संगठनों के मुताबिक, सरकार की मंशा लगभग 27,000 स्कूलों को बंद करने की है।'' उन्होंने कहा कि संप्रग सरकार देश में शिक्षा का अधिकार कानून लाई थी, जिसके तहत हर गांव में स्कूल की व्यवस्था की गई थी ताकि गरीब परिवार के बच्चों के लिए शिक्षा सुलभ हो सके।

शुभांशु शुक्ला के धरती पर आने का उनके परिवार को बेसब्री से इंतजार, गर्व और उत्साह की अनुभूति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर अपना 18 दिन का प्रवास पूरा करने के बाद पृथ्वी पर अपनी वापसी की यात्रा शुरू करने के लिए तैयार हैं। वहीं, लखनऊ में उनका परिवार उनकी सुरक्षित वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है और परिवार ने इसे बेहद गर्व और भावनात्मक उत्साह का क्षण बताया है।

परिवार ने कहा कि उनके लिए यह बेहद खुशी की बात है। शुभांशु ने उन्हें ''एक बच्चे की तरह'' अंतरिक्ष के नजारे दिखाए। परिवार ने कहा कि शुभांशु के आने की सूचना से परिवार बेहद उत्साहित है और उनकी सकुशल वापसी के लिए प्रार्थना कर

रहा है, क्योंकि एक्सिओम-4 मिशन सोमवार को आईएसएस से 'अनडॉक' (अलग) हो रहा है और मंगलवार को इसके कैलिफोर्निया तट पर उतरने की उम्मीद है। सोमवार को लखनऊ स्थित अपने आवास पर 'पीटीआई-वीडियो' से बात करते हुए शुभांशु के पिता शंभू दयाल शुक्ला ने अपने बेटे के अंतरिक्ष मिशन में सहयोग के लिए जनता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''हम अपने बेटे को आशीर्वाद देने के लिए जनता और माननीय प्रधानमंत्री का धन्यवाद करते हैं। उनका मिशन समाप्त हो रहा है और हम सभी उनका स्वागत करने के लिए तैयार हैं। हालांकि हम उनसे तुरंत नहीं मिल पाएंगे क्योंकि वह पहले अमेरिका जाएंगे, फिर भी हम उनसे जल्द मिलने के लिए उत्सुक हैं।'' शुभांशु के आईएसएस पर रहने के दौरान हुई बातचीत को याद करते हुए, शंभू दयाल ने अपने बेटे पर गर्व जताया। उन्होंने कहा, ''उसने (शुभांशु ने) हमें दिखाया कि वह अंतरिक्ष में कहां रहता है, काम कैसे करता है और कहां सोता है। वहां पैदल चलना नहीं पड़ता हैं। वे बेल्ट से बंधे हुए, खड़े-खड़े सोते हैं। उसने हमें अद्भुत दृश्य भी दिखाए - अंतरिक्ष से सूर्योदय, पृथ्वी की सतह, पहाड़ और चंद्रमा की गति। अपने बच्चे को अंतरिक्ष में खुश देखना हमारे लिए सबसे खुशी का पल था।'' उन्होंने कहा कि शुभांशु की यात्रा निश्चित रूप से युवाओं को प्रेरित करेगी। शुभांशु ने स्कूली छात्रों से कहा था, ''अगर आप बिना किसी संदेह के अपना शत-प्रतिशत देंगे, तो आप अपना लक्ष्य जरूर हासिल करेंगे। अगर आप एक बार असफल भी हो जाएं, तो दोबारा कोशिश करें, आप जरूर सफल होंगे।'' शुभांशु की मां आशा देवी ने कहा कि पूरा परिवार खुशी और उत्सुकता से अभिभूत है। उन्होंने कहा, ''हम उनसे मिलने के लिए बेताब हैं। वह अक्सर अंतरिक्ष से हमें अपडेट करते रहते थे और हमें नजारे दिखाते थे। आज सावन का पहला सोमवार है और परिवार ने मंदिर में भगवान शिव से उनकी सकुशल वापसी की प्रार्थना की।'' घर की योजनाओं के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि जब वह लखनऊ आएंगे तो परिवार उनका गर्मजोशी से स्वागत करेगा, हालांकि वह पहले अपने कार्यस्थल पर वापस लौटेंगे। शुभांशु की बहन सुचि शुक्ला ने कहा कि घर पर भावनाएं उतनी ही तीव्र हैं जितनी उनके अंतरिक्ष में जाने के दिन थीं। उन्होंने कहा ''हम उत्साहित भी हैं और घबराए हुए भी हैं क्योंकि जब तक अंतरिक्ष यान धरती पर नहीं आता, तब तक थोड़ी बेचैनी तो रहती ही है।

महिला को कोल्ड ड्रिंक में नींद की गोलियां मिलाकर दी गई थीं : पुलिस ने आईआईएम-कलकत्ता मामले में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), कलकत्ता के परिसर में कथित दुष्कर्म मामले के आरोपी ने एक नजदीकी दवा दुकान से नींद की गोलियां खरीदने की बात स्वीकार की है, जिसे उसने अपराध को अंजाम देने से पहले महिला को दी गयी 'कोल्ड ड्रिंक्स' और पीने के पानी में मिला दिया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हालांकि, पुलिस ने आरोपी छात्र के बयानों में कई विसंगतियां पायी हैं।

अधिकारी ने बताया, ''आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसने नींद की गोलियां खरीदी थीं और उन्हें कोल्ड ड्रिंक्स व पीने के पानी में मिला दिया था, जो उसने महिला को तब दिया था जब वह वहां थी। लेकिन वह यह नहीं बता सका कि काउंसिलिंग के लिए उसके पास आयी महिला के साथ ऐसा करने के पीछे उसका असली इरादा क्या था। वह इस सवाल का जवाब नहीं दे रहा है।'' उन्होंने बताया कि परिस्थितिजन्य साक्ष्य से पता चला कि पीड़िता कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद लड़कों के छात्रावास के एक कमरे में गई, जहां कथित अपराध हुआ। अधिकारी ने कहा, ''अपराध करने के बाद आरोपी ने अपने एक दोस्त को फोन किया और उसे पूरी घटना के बारे में बताया। बातचीत के दौरान, वह उस कमरे के सामने बरामदे में घूम रहा था, जहां अपराध हुआ था।'' बलात्कार पीड़िता के बारे में बात करते हुए अधिकारी ने कहा कि इस बात को लेकर भ्रम है कि वह वास्तव में मनोवैज्ञानिक है या नहीं। उन्होंने कहा, ''वह अपनी योग्यता के समर्थन में कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकीं कि वह एक मनोवैज्ञानिक हैं। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्होंने किस संस्थान से पढ़ाई की है। हमें अभी तक उनके क्लीनिक (चेम्बर) और उनके नाम तथा अन्य विवरण वाले किसी भी पर्चे की जानकारी नहीं मिली है।'' पीड़िता के पिता के ''विरोधाभासी'' बयान के बारे में पुलिस ने कहा कि वे भी यह पता लगाने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या परिवार पर बयान बदलने का ''दबाव'' है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि वह यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या पीड़िता के परिवार को यह बयान बदलने के लिए कोई पैसा दिया गया है। आईआईएम-कलकत्ता के छात्रावास में एक छात्र द्वारा महिला के साथ कथित बलात्कार की जांच के लिए पुलिस ने नौ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। उन्होंने बताया कि इस दल का नेतृत्व दक्षिण-पश्चिम प्रभाग के एक सहायक आयुक्त कर रहे हैं।

सुविचार

भगवान सिर्फ उन्ही की सहायता करता है जो लोग खुद अपनी सहायता स्वयं करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कितने कालनेमि?

उत्तराखंड सरकार ने 'ऑपरेशन कालनेमि' चलाकर उन लोगों को कड़ा संदेश दिया है, जो गलत पहचान के साथ साधु-संतों का वेश धारण कर आम जनता को ठग रहे हैं। ऐसे ठगों की संख्या इतनी ज्यादा हो गई है कि देहरादून जिले में ही अब तक 80 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इस अभियान का विस्तार अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी होना चाहिए। भारतीय समाज साधु-संतों का बहुत सम्मान करता है, लेकिन यह कड़वी हकीकत है कि प्राचीन काल से ही कुछ लालची और भ्रष्ट लोग साधु का वेश धारण कर अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं। हाल के वर्षों में सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो वायरल हुए हैं, जिनमें इनका भलीभांति पर्दाफाश किया गया है। एक वीडियो में कोई शख्स साधु के वेश में लोगों से भिक्षा मांगता दिखाई देता है। वह दावा करता है कि हरिद्वार से आया है। वहां मौजूद एक व्यक्ति उसके साथ अध्यात्म संबंधी चर्चा शुरू कर देता है। उस कथित साधु से कहा जाता है कि 'गायत्री मंत्र सुनाएं', लेकिन वह नहीं सुनाता। उससे वेदों के नाम पूछे जाते हैं, लेकिन वह नहीं बताता। असल में उसे इस संबंध में कोई ज्ञान ही नहीं था। वह व्यक्ति उसका असली नाम पूछता है तो टालमटोल करने लगता है। पता चलता है कि साधु बनकर घूम रहा वह शख्स सिर्फ रुपए कमाने के लिए ऐसा कर रहा था। वह हिंदू भी नहीं था। इसी तरह एक और वीडियो में कोई कथित साधु गांव-गांव घूमकर चंदा इकट्ठा कर रहा था। उसका दावा था कि इस राशि से हनुमानजी का भव्य मंदिर बनेगा। उससे एक व्यक्ति ने हनुमानजी की माता का नाम पूछा तो वह बगलें झांकने लगा। उससे कहा गया, 'हनुमान चालीसा सुनाएं', तो वह इधर-उधर की बातें करने लगा। जब भगवान श्रीराम की माता का नाम पूछा गया तो उससे कोई जवाब देते नहीं बना। पता चला कि वह शख्स साधु के वेश में कोई ढोंगी था।

'ऑपरेशन कालनेमि' के तहत पकड़ा गया एक ढोंगी शख्स तो बांग्लादेशी नागरिक रूकन रकम उर्फ शाह आलम निकला! वह देहरादून जिले के सहसपुर क्षेत्र में सक्रिय था। ऐसे कितने 'कालनेमि' और सक्रिय हैं? धर्म की आड़ में लोगों की भावनाओं से खिलवाड़ करने वालों को कठोर दंड मिलना चाहिए। इन ढोंगियों पर शिकंजा कसने का काम तो सरकार, पुलिस और एजेंसियां ही कर सकती हैं, लेकिन आम लोग भी इन्हें हतोत्साहित कर सकते हैं। राजस्थान में एक पुरानी कहावत है- 'पाणी पीओ छाण, गुरु बणाओ जाण' अर्थात पानी पीना हो तो उसे पहले छानें, ताकि वह स्वच्छ हो जाए और किसी को गुरु बनाना हो तो उसे पहले जानें, परखें। यदि उसमें उचित गुण पाएं तो ही उसे गुरु स्वीकार करें। इसी तरह, अगर किसी अनजान व्यक्ति को साधु-संत समझकर उसे धन या आश्रय आदि दे रहे हैं तो पहले कुछ आध्यात्मिक चर्चा कर लेनी चाहिए। ऐसे लोगों से अपने गुरु का नाम, गुरु परंपरा के बारे में पूछें। संन्यास विधि, पूर्व गौत्र, गांव/शहर, माता-पिता के नाम, शिक्षा आदि के बारे में पूछ सकते हैं। वैदिक मंत्रों, देवी-देवताओं की स्तुति, गीता, रामचरितमानस आदि से जुड़े प्रश्न पूछें। 'कालनेमि' की श्रेणी में आने वाले ज्यादातर ढोंगी इधर ही फंस जाएंगे। यह उसी स्थिति में संभव है जब लोग खुद भी धर्म के बारे में जानें। जिन्हें अपने ऋषि-मुनियों के बारे में मालूम नहीं, जो अपने धर्म ग्रंथ नहीं पढ़ते, जिन्हें भगवान के अवतारों के बारे में जानकारी नहीं, जो पांच श्लोक भी नहीं जानते, वे तो 'कालनेमियों' द्वारा ठगे ही जाएंगे। इसमें आश्चर्य की बात क्या है? साधु-संतों का वेश अत्यंत पवित्र होता है। जो इसे धारण करता है, उस पर बहुत बड़े दायित्व आ जाते हैं। जो शख्स इस वेश को धन कमाने, अपने स्वार्थ सिद्ध करने और झूठ बोलकर लोगों को धोखा देने का माध्यम बनाए, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। संतों का सम्मान करें, कालनेमियों से सावधान रहें।

ट्वीटर टॉक

शिवभक्ति से सराबोर यह दिव्य महीना आपके जीवन में अपार सुख, शांति, समृद्धि और सौभाग्य लेकर आए। भोलेनाथ की कृपा से हर मनोकामना पूर्ण हो, हर संकट दूर हो, और जीवन में शुभता का अवतरण हो।

-वसुंधरा राजे

गृह नगर जोधपुर में जनता-जनार्दन से सादर मुलाकात के क्रम में उन परिवारों के बीच भी गया जिनके घर में शोक है। शहर की अनेक शोक सभाओं में उपस्थित होकर परिजनों का दुख साझा कर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा श्री कविंद्र गुप्ता जी को लद्दाख का उपराज्यपाल नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं आपके नेतृत्व कौशल एवं राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण से लद्दाख क्षेत्र को निश्चित ही नवप्रेरणा और प्रगति की दिशा प्राप्त होगी।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

हार में जीत

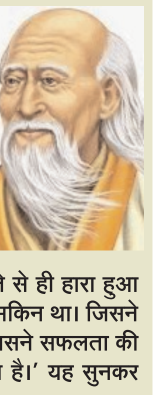

सुप्रसिद्ध दार्शनिक लाओत्से ने एक बार अपने मित्रों से कहा, 'मुझे ज़िंदगी में कोई भी हरा नहीं सका।' यह सुनकर एक मित्र ने तुरंत उत्सुकता से पूछा, 'वह राज़ हमें भी बताओ, क्योंकि हम भी जीवन में जीतना चाहते हैं।' यह सुनकर लाओत्से ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगा। फिर बोला, 'तुम नहीं समझ सकोगे उस राज़ को, क्योंकि तुमने मेरी बात पूरी सुनी ही नहीं। तुम तो बीच में ही ठहर गए। मैंने कहा था 'मुझे ज़िंदगी में कोई हरा नहीं सका, पर' वाक्य तो पूरा होने दो। फिर लाओत्से ने वाक्य पूरा करते हुए कहा, 'मुझे ज़िंदगी में कोई हरा नहीं सका, क्योंकि मैं पहले से ही हारा हुआ था। मुझे जीतना कभी था ही नहीं, इसलिए मेरा हारना भी नामुमकिन था। जिसने जीत की आकांक्षा छोड़ दी, वह कभी हार नहीं सकता। और जिसने सफलता की ज़्यादा लालसा की, वह अंततः असफलता की ओर ही बढ़ता है।' यह सुनकर वह मित्र चुप रह गया सोच में डूबा हुआ।

सामयिक

नॉर्थ कोरिया, रूस और चीन की जुगलबंदी से बढ़ गई डोनाल्ड ट्रंप की बेचैनी

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009415415

रूस यूक्रेन युद्ध से अमेरिका रूस का बड़ा विरोधी बनकर लगभग 15 साल पीछे जा चुका है एवं उसकी मुद्रा डॉलर की कीमत भी अब वैश्विक स्तर पर काम होते जा रही है। रूस के नुकसान के साथ-साथ अमेरिका को भी काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हमेशा रूस के लिए और शांति प्रयासों के लिए फिक्रमंद रहते हैं यह यह तथ्य वैश्विक शांति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम भी है।

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति पद की ताजपोशी के साथ-साथ डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूस यूक्रेन युद्ध के युद्ध को विराम तो नहीं दे पाए किंतु युद्ध की आग को और भड़का दिया है। उधर परमाणु संपन्न देश चीन नॉर्थ कोरिया और रूस की त्रिगुटीय जुगलबंदी ने अमेरिका सहित नाटो यूरोपीय देश और यूक्रेन की नींद उड़ा दी है। उल्लेखनीय की नॉर्थ कोरिया और साउथ कोरिया के आपस के कड़वे रिश्ते के बीच अमेरिका का साउथ कोरिया को लेकर काफी हस्तक्षेप है जिसे नॉर्थ कोरिया कई दशक से पसंद नहीं करता आया है। संयुक्त राष्ट्र संघ और एमनेस्टी इंटरनेशनल की भूमिका निरर्थक हो चुकी है वैसे भी संयुक्त राष्ट्र संघ अमेरिका तथा यूरोपीय देशों की कठपुतली बन चुका है। क्या मानवीय संवेदनाओं की आशाएं निर्मूल साबित हो रही हैं।

वैश्विक शांति और अमन की कल्पनाओं से परे वैश्विक युद्ध की आशंका में उत्तर कोरिया ने भी अपना मोर्चा खोल दिया है ताजा ताजा घटनाक्रम में रूस के विदेश मंत्री लावरोव उत्तर कोरिया के दौरे पर जाकर वहां के समकक्ष चोई सांन संग से उत्तर कोरिया के शहर पूर्वी वोंनसान मैं अत्यंत महत्वपूर्ण मीटिंग की है। रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने उत्तरी कोरिया के तानाशाह नेता किम जोंग उन से भी मुलाकात कर रूस को यूक्रेन और अमेरिका के खिलाफ समर्थन देने की बात रखी जवाब में उत्तरी कोरिया के तानाशाह नेता किम जोंग उन ने रूस को अमेरिका यूरोप और यूक्रेन के खिलाफ निशर्त खुला समर्थन देने की घोषणा कर दी है। गौरतलब है कि उत्तरी कोरिया पिछले कई महीनो से मिसाइल का परीक्षण कर साउथ कोरिया अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को सीधा-सीधा संदेश दिया है कि साउथ कोरिया और नॉर्थ कोरिया के संबंधों के बीच किसी देश के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उत्तर कोरिया की आधिकारिक न्यूज़ एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच अब तनाव बढ़ने लगा हैश्र उधर उत्तर कोरिया के बढ़ते परमाणु कार्यक्रम के जवाब में अमेरिका दक्षिण कोरिया व जापान त्रिपक्षीय त्रिपक्षी संधियां और सैनिक अभ्यास का विस्तार तथा फिर से बहाली कर रहे हैं।

तीनों देशों ने उत्तर कोरिया के रूस और चीन को समर्थन देने के और परमाणु परीक्षणों के खिलाफ दक्षिण कोरिया प्रायद्वीप के पास अमेरिकी परमाणु सक्षम बम वर्षको के साथ संयुक्त हवाई अभ्यास किया है। उल्लेखनीय है कि तीनों देशों के सैन्य प्रमुखों ने एक गंभीर बैठक कर उत्तर कोरिया से क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा करने वाली सभी गैर कानूनी गतिविधि बंद करने का आह्वान किया है वैसे भी उत्तर कोरिया अमेरिका के नेतृत्व में दक्षिण कोरिया और जापान के इस युद्ध अभ्यास को उत्तर कोरिया के खिलाफ होने वाले हमले का पूर्व अभ्यास मानता है। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर बड़े हमले की चेतावनी भी दे डाली है। इन परिस्थितियों में विश्व में चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध तथा इसराइल हमास लेबनान ईरान युद्ध के अलावा उत्तर कोरिया ने हमले की धमकी देकर एक नये युद्ध का मोर्चा खोल दिया है। यह तो सर्व विदित है कि उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन एक सनकी तानाशाह है और अमेरिका पर परमाणु युद्ध के हमले की गाहे-बगाहे धमकियां भी दिया करता है। उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया की किसी भी हिमाकत पर उस पर हमला कर सकता है। उधर रूस यूक्रेन युद्ध को ढाई वर्ष पूरे हो चुके है कई प्रभावशाली प्रयासों के बाद भी युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है रूस के व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के व्लादिमीर जेलेन्स्की हास्य कलाकार होने के बावजूद यूक्रेन के लिए त्रासदी के नायक बन गए हैं। दोनों देशों में हजारों नागरिक एवं सैनिक मारे जा चुके हैं इसके अलावा अरबों डॉलर की संपत्ति का भारी नुकसान भी हुआ है। इसराइल हमास लेबनान तथा ईरान के मध्य युद्ध अपने पूरे शबाब पर है। इजरायल के आतंकवादी समूह हिज्बुल्लाह के कमांडर याह्या सिंनवार को रॉकेट लांचर से मार देने के बाद इसके जवाब में लेबनान से इजरायल के सिरोसिया शहर में जहां इसराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू का आधिकारिक निवास है रॉकेट लांचर से हमला किया है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई ने अपने बयान में बताया की इस तरह के और हमले अभी जारी रहेंगे। पूरा विश्व इस समय विश्व युद्ध की कगार पर है और यदि उत्तर तथा दक्षिण कोरिया के मध्य युद्ध होता है तो निश्चित तौर पर अमेरिका साउथ कोरिया की तरफ से एवं रूस, चीन नॉर्थ कोरिया की तरफ से इस युद्ध में शामिल हो सकते हैं। पूरा विश्व दो भागों में बट गया है एक तरफ रूस, चीन, नॉर्थ कोरिया, पाकिस्तान तथा पश्चिम एशिया के देश होंगे तथा दूसरी तरफ अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा, इजरायल तथा अन्य देश के युद्ध में शामिल होने की संभावना बलवती हो रही है।

भारत लगातार रूस-यूक्रेन, इसराइल-हमास युद्ध को रोकने के लिए प्रयासरत है और इस प्रयास के अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री ने रूस तथा यूक्रेन की आधिकारिक यात्राएं भी की है। परंतु दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के अडियल रवैये के कारण शांति वार्ता संभव नहीं हो पाई, परंतु जैसा पुतिन ने अपने वक्तव्य में बताया की रूस यूक्रेन के साथ युद्ध विराम शांतिपूर्वक तरीके से करना चाहता है पर यूक्रेन इस वार्ता से पीछे हटकर अमेरिका तथा नाटो देशों के दम पर इनकार कर दिया है। रूस यूक्रेन युद्ध से अमेरिका रूस का बड़ा विरोधी बनकर लगभग 15 साल पीछे जा चुका है एवं उसकी मुद्रा डॉलर की कीमत भी अब वैश्विक स्तर पर काम होते जा रही है। रूस के नुकसान के साथ-साथ अमेरिका को भी काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी है। पुतिन ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे हमेशा रूस के लिए और शांति प्रयासों के लिए फिक्रमंद रहते हैं यह यह तथ्य वैश्विक शांति के लिए एक महत्वपूर्ण कदम भी है। पूरी दुनिया वैश्विक युद्ध के परिणाम से अच्छे तरह से वाकिफ है पूर्व के विश्व युद्ध में जापान के नागाशाकी तथा हिरोशिमा की भयानक मानवीय त्रासदी को हर देश के नागरिक अच्छे से महसूस करते हैं। अतः विश्व युद्ध को हर संभव प्रयासों से रोका जाना चाहिए अन्यथा विश्व युद्ध मानवता के विकास के लिए एक बडा अवरोध और विनाशक होगी।

नजरिया

सावन के महीने का भगवान शिव से संबंध होने के कुछ पौराणिक आधार भी हैं। इनमें एक प्रमुख आधार यह पौराणिक मान्यता भी है कि इसी महीने में भगवान शिव पृथ्वी पर अवतरित होकर अपने ससुराल गए थे, जहां उनका स्वागत अघ्र्य एवं जलाभिषेक से किया गया था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव प्रत्येक वर्ष सावन के महीने में भूलोक पर अवतरित होकर अपने ससुराल आते हैं, जो कि भू-लोक वासियों के लिए भक्ति, पूजा, सेवा, आराधना और उपासना के द्वारा शिव-कृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम समय होता है।

सावन महीने से भगवान शिव का शाश्वत् संबंध है

चेतनादित्य आलोक
मोबाइल : 7870900083

सावन हिंदू पंचांग का पांचवां महीना होता है। यह हरियाली, सुंदरता, सकारात्मकता, शुभता और पवित्रता का महीना होता है, जो प्रायः संपूर्ण सृष्टि के लिए नवोन्मेष एवं नवजीवन का उपहार लेकर आता है। सच कहा जाए तो ज्येष्ठ-आषाढ़ की तपाती गर्मी, चिलचिलाती धूप, उमस और पसीने से परेशान संपूर्ण प्राणी जगत को सावन महीने की प्रतीक्षा रहती है, क्योंकि इस महीने में होने वाली रिमझिम वर्षा के कारण तापमान में गिरावट आती है और प्रकृति में सुखद परिवर्तन होते हैं। इसके परिणामस्वरूप संपूर्ण सृष्टि में तृप्ति और तुष्टि का प्रसार होता है तथा प्राणियों के जीवन में उमंग, उल्लास और प्रसन्नता का संचार होने लगता है।

सारा संसार शिवमय हो जाता है

सावन के महीने में प्रायः देश ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के शिवभक्त भगवान शिव को जलार्पण कर उनसे सौभाग्य, सुख एवं अन्य इच्छित वरदान प्राप्त कर संतुष्ट होते हैं। विश्व भर के शिवालयों में भक्तों की उमड़ती भीड़ तथा हर-हर महादेव' एवं बोल बम' के घोष से गूंजित वातावरण से शिवमय हुआ सारा संसार मानो अपने जीवन के विभिन्न पापों, तापों और संतापों को मिटाने की उत्कट अभिलाषा लिए शिवालयों की ओर दौड़ पड़ता है। यह भगवान शिव के प्रति भक्तों की सोद्देश्य आस्था एवं भक्ति का द्योतक है।

हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण महीना

सावन का महीना हिंदुओं के लिए धार्मिक-आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि इस महीने में हिंदुओं के कई प्रमुख तीज-त्योहारों की शुरुआत होती है। इनमें कामिका एकादशी, मंगला गौरी व्रत, हरियाली अमावस्या, विनायक चतुर्थी, तुलसीदास जयंती, सावन पुत्रदा एकादशी, सावन पूर्णिमा अथवा नारियल पूर्णिमा व्रत, ऋग्वेद उपाकर्म, वरलक्ष्मी व्रत, हरियाली तीज, रक्षा-बन्धन एवं नाग-पंचमी प्रमुख रूप से उल्लेखनीय हैं। इसके अतिरिक्त, देवों के देव महादेव भगवान भोलेनाथ शिवशंकर को यह महीना अत्यंत प्रिय होने के कारण इस महीने में उनकी विशेष पूजा, सेवा और आराधना करने का विधान भी शास्त्रों में वर्णित है।

रुद्रपूजा का महत्व

पुराणों में वर्णन मिलता है कि सावन के महीने में होने वाली रिमझिम वर्षा से प्रकृति भगवान शिव के रुद्र रूप का अभिषेक करती है। शंकर, यानी जो सभी का कल्याण करने और सबको शुभता प्रदान करने वाले भगवान हैं, जिन्हें देवाधिदेव महादेव भी कहा जाता है, उनकी आराधना में जब संपूर्ण चराचर सृष्टि तल्लीन हो जाती है, तब इस विशेष अवधि में निश्चित रूप से हमें भी उन भगवान शिव के रुद्र रूप की पूजा, आराधना, उपासना अवश्य करनी चाहिए, जो सबका मंगल करने वाले हैं।

इस प्रकार, देखा जाए तो 'सर्वे भवंतु सुखिनः...' की शाश्वत चेतना को साकार करते हुए जागतिक कल्याण की भावना एवं सर्वमंगल की कामना से ओत-प्रोत होकर सृष्टि के आरंभ से ही हमारे पितृ ऋषि, ब्रह्मर्षि, महर्षि, मनीषी आदि सावन महीने में भगवान शिव के रुद्र रूप की पूजा, आराधना, उपासना आदि करते आए हैं। जागतिक कल्याण की वह पौरणिक भावना एवं सर्वमंगल की शाश्वत कामना भले ही आज उस रूप में विद्यमान न रही हो, परंतु सनातन धर्मावलंबियों के लिए सावन के महीने में रुद्रपूजा आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इसीलिए आज भी हिंदू सावन महीने में रुद्रपूजा करते हैं।

सावन से भगवान शिव के संबंधों का धार्मिक आधार

सावन के महीने से भगवान शिव का शाश्वत संबंध होने के कई धार्मिक, आध्यात्मिक एवं पौराणिक आधार हैं। धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो सनातन धर्म में आस्था रखने वाले भक्त वर्ष के बारहों महीने भगवान भोलेनाथ शिवशंकर की भक्ति, पूजा, आराधना करते रहते हैं, किन्तु देवशयनी एकादशी के दिन से चातुर्मास व्रत आरंभ होने के कारण इस दिन से साधु-संत और तपस्वीगण पारंपरिक रूप से एक ही स्थान पर रहते हुए स्वाध्याय, तप, साधना प्रवचन इत्यादि करते हैं। दरअसल, चातुर्मास काल के चार महीनों में, जब भगवान श्रीहरि विष्णु क्षीरसागर में शयन करते हैं, तब संसार में कहीं किसी भी प्रकार के शुभ या मांगलिक कार्य यथा गृह प्रवेश, उपनयन, विवाह आदि संस्कार एवं अनुष्ठान नहीं किए जाते। ऐसी स्थिति में, सृष्टि के संचालन का कार्यभार देवों के देव महादेव भगवान भोलेनाथ अपने हाथों में ले लेते हैं, ताकि सृष्टि के समस्त कार्य-व्यवहार यथावत चलते रहें। इस प्रकार, प्रत्येक वर्ष देवशयनी एकादशी के दिन से अगले चार महीनों तक भगवान भोलेनाथ ही सृष्टि का संचालन करते हैं। इसी चातुर्मास काल में एक महत्वूर्ण महीना सावन का भी होता है, जो कि भगवान शिव की भक्ति, सेवा पूजा, आराधना और महिमा के लिए प्राचीनकाल से ही विख्यात है।

शिव और सावन के बीच के विशेष संबंधों का एक और प्रमुख आधार है- आध्यात्मिक आधार। सावन और भगवान शिव के संबंधों में निहित आध्यात्मिक दृष्टिकोण देवी सती की उस कथा में स्पष्ट परिलक्षित होती है, जिसके अनुसार उन्होंने अपने पिता दक्ष के द्वारा पति भोलेनाथ शिवशंकर का अपमान किए जाने से दुखी होकर योगशक्ति से अपने शरीर का वहीं पर तत्काल त्याग कर दिया था। कथा के अनुसार, देवी सती ने पति के रूप में पुनः भगवान शिव को प्राप्त करने की कामना से अपने दूसरे जन्म में पार्वती के नाम से पर्वतराज हिमालय के घर में जन्म लेकर बचपन से ही भगवान शिव की सेवा, आराधना की थी। बता दें कि सावन का महीना उनके लिए सदैव विशेष महत्व का होता था, क्योंकि इस पूरे महीने में निराहार रहते हुए वह भगवान भोलेनाथ को जलार्पण कर कठोर व्रत रखती थीं। कथा है कि माता पार्वती की कठोर साधना से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें सावन के महीने में ही अपनी अद्रधांगिनी स्वीकार किया था। यही कारण है कि आज भी भक्तगण मनचाहा जीवनसाथी पाने की इच्छा से सावन में भगवान भोलेनाथ की पूजा-आराधना करते हैं।

सावन से भगवान शिव के संबंधों का पौराणिक आधार

सावन के महीने का भगवान शिव से संबंध होने के कुछ पौराणिक आधार भी हैं। इनमें एक प्रमुख आधार यह पौराणिक मान्यता भी है कि इसी महीने में भगवान शिव पृथ्वी पर अवतरित होकर अपने ससुराल गए थे, जहां उनका स्वागत अघ्र्य एवं जलाभिषेक से किया गया था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव प्रत्येक वर्ष सावन के महीने में भूलोक पर अवतरित होकर अपने ससुराल आते हैं, जो कि भू-लोक वासियों के लिए भक्ति, पूजा, सेवा, आराधना और उपासना के द्वारा शिव-कृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम समय होता है। इसी प्रकार, शिव और सावन के बीच के विशेष संबंधों का दूसरा प्रमुख पौराणिक आधार पौराणिक कथाओं में वर्णित कल्याणकारी एवं सुष्ठु समुद्र मंथन का प्रसंग भी है। मान्यता है कि हिन्दू संस्कृति में विशेष रूप से महत्वपूर्ण एवं उल्लेखनीय समुद्र मंथन का कार्य सावन के महीने में ही संपन्न हुआ था। समुद्र मंथन से निकले विष की भयावहता को देखते हुए महाकल्याणी महादेव ने संपूर्ण विश्व को किसी भी प्रकार के अनिष्ट से बचाने हेतु उसे अपने कंठ में धारण कर लिया था, जिससे महादेव का कंठ नीलवर्णी हो गया, और वे 'नीलकंठ' कहलाए। वहीं, विषपान से उत्पन्न ताप को दूर करने तथा भगवान भोलेनाथ शिवशंकर को शीतलता प्रदान करने के लिए मेघराज इंद्र ने तो तब घनघोर वर्षा की ही, सभी देवी-देवताओं ने भी उन्हें जल अर्पित किया था। इससे भगवान शिव का ताप कम हुआ और उन्हें शांति मिली। मान्यता है कि तबसे ही महादेव का अभिषेक करने की परंपरा प्रारंभ हुई।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

‘सेमीकॉन इंडिया 2025’ के लिए विजिटर रजिस्ट्रेशन शुरू

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सेमी और इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) ने ’सेमीकॉन इंडिया 2025’ के लिए विजिटर रजिस्ट्रेशन शुरू करने की घोषणा की है। यह ग्लोबल सेमीकंडक्टर ट्रेंड्स और भारत के लोकल इकोसिस्टम विकास को प्रदर्शित करने के लिए कार्यक्रम है। बता दें कि ’सेमीकॉन इंडिया’ 2 से 4 सितंबर तक यशोभूमि (भारत अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन और एक्सपो सेंटर), नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में ’बिल्डिंग द नेक्स्ट सेमीकंडक्टर पावरहाउस’ थीम के तहत माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन में भारत की बढ़तीं क्षमताओं और महत्वाकांक्षाओं को प्रदर्शित किया जाएगा। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तत्वावधान में आयोजित होने जा रहा यह कार्यक्रम नीति, उद्योग, शिक्षा और निवेश को लेकर उच्च प्रभाव वाले मंच के रूप में काम करेगा। इसमें 18 देशों / क्षेत्रों की 300 से ज्यादा कंपनियां संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक्स वैल्यू चेन का प्रदर्शन करेंगी।

इस तीन दिवसीय सम्मेलन को ग्लोबल सीएक्सओ और विशेषज्ञ वक्ता संबोधित करेंगे। इसके अलावा वर्कफोर्स डवलपमेंट पैविलियन, स्टार्टअप पैविलियन, 7 कंट्री राउंड टेबल्स और बी2बी फोरम्स, ट्रेनिंग और कौशल उन्नयन कार्यक्रम भी खास आकर्षण होंगे। सेमी के अध्यक्ष एवं सीईओ अजित मनोचा ने कहा, ’सेमी के पास हमारे प्रमुख सेमीकॉन प्रदर्शनियों और कार्यक्रमों के जरिए ग्रीनफील्ड देशों में सेमीकंडक्टर इको सिस्टम के विस्तार को सक्षम करने का शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है।’

शुभांशु, आपका स्वागत है, पूरा देश आपके लौटने का इंतजार कर रहा है: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान के सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से अलग होने के साथ शुभांशु शुक्ला की पृथ्वी की वापसी यात्रा शुरू होने के मद्देनजर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि पूरा देश उनके वापस आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है।

सिंह ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा, शुभांशु, आपका स्वागत है! पूरा देश आपके घर वापस आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। एक्सिओम 4 के अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से सफलतापूर्वक अलग होने के साथ आपकी वापसी यात्रा शुरू हो रही है।

ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्ष यान के आईएसएस से अलग होने के साथ शुभांशु शुक्ला और वाणिज्यिक एक्सिओम-4 मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की पृथ्वी की वापसी यात्रा शुरू हो गई।पिछले 18 दिन से चारों अंतरिक्ष यात्री आईएसएस पर थे। ड्रैगन अंतरिक्ष यान आईएसएस से भारतीय समयानुसार शाम पौने पांच बजे अलग हुआ। इसमें मूल कार्यक्रम से 10 मिनट की देरी हुई तथा कक्षीय प्रयोगशाला से दूर जाने के लिए उसने दो बार थ्रस्टर्स चालू किए। शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन, तथा मिशन विशेषज्ञ पोलैंड के स्लावोज़ उज़्नान्स्की-विस्नीव्स्की और हंगरी के टिबोर कापू सहित एक्सिओम-4 के चालक दल ने 26 जून को आईएसएस से जुड़ने के बाद से लगभग 76 लाख मील की दूरी तय करते हुए पृथ्वी के चारों ओर लगभग 433 घंटे या 18 दिन में 288 परिक्रमाएं कीं। ड्रैगन के मंगलवार को भारतीय समयानुसार अपराह्न तीन बजकर एक मिनट पर कैलिफोर्निया तट पर उतरने की उम्मीद है।

पूजा

ट्रांसजेंडर महिलाएं (शिवशक्तियाँ) और भक्त बोनम लेकर सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर में बोनालु में भाग लेंगे और उसे चढ़ाएँगे।

चीन में भारतीय आयुर्वेद से लोगों को लाभ पहुंचा रहे भारतीय चिकित्सक दंपति

बीजिंग/भाषा। आयुर्वेद में विशेषज्ञता रखने वाले केरल के एक चिकित्सक दंपति स्थानीय लोगों को प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति के लाभों का अनुभव कराने के लिए एक नया मंच प्रदान करके चीन में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

डॉ. चांगमपल्ली किजक्किलाथ मोहम्मद शफीक और उनकी पत्नी, डॉ. डेन (36), अलग-अलग सांस्कृतिक और धार्मिक पृष्ठभूमि से आते हैं लेकिन उन्होंने आयुर्वेद उपचार पद्धति का एक साझा, महत्वाकांक्षी मार्ग चुना है।

उनका मानना है कि आयुर्वेद और पारंपरिक चीनी चिकित्सा (टीसीएम) में कई समानताएं हैं और इसकी वजह विशेष रूप से जड़ी बूटी वाले नुस्खों और समग्र उपचार पर इनका जोर होने के कारण है। वे मिलकर चीन में भारत की प्राचीन स्वास्थ्य पद्धति को लोकप्रिय बनाने और आयुर्वेद तथा टीसीएम के बीच एक सांस्कृतिक सेतु बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

डॉ. शफीक 600 साल पुराने ‘चांगमपल्ली गुरुक्कल’ नामक पारंपरिक आयुर्वेद परिवार से हैं। परिवार के सदस्य मूल रूप से तुलु ब्राह्मण थे, जो अतीत में शाही परिवारों के चिकित्सक के रूप में कार्यरत थे। डॉ. शफीक कहते हैं कि उनके परिवार के कुछ सदस्यों ने इस्लाम धर्म अपना लिया है, जबकि अन्य हिंदू बने हुए हैं। वह आयुर्वेद में अपने कार्य को अपनी पैतृक जड़ों से जुड़े रहने के रूप में देखते हैं। दूसरी ओर, डॉ. डेन एक ईसाई परिवार से हैं। उन्होंने तिरुवनंतपुरम स्थित केरल विश्वविद्यालय के आयुर्वेद महाविद्यालय में अध्ययन किया, जहां उनकी मुलाकात डॉ. शफीक से हुई। डॉ. शफीक का चीन प्रवास 2016 में शुरू हुआ, जब उन्होंने अपने शुरुआती करियर में पुडुचेरी में सेवाएं देते हुए आयुर्वेदिक उपचार चाहने वाले कई चीनी रोगियों का इलाज शुरू किया।

इसने उन्हें नए अवसरों की तलाश के लिए चीन के समृद्ध ग्वांगझोउ शहर का दौरा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ग्वांगझोउ स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास और चीनी चिकित्सा पद्धति से जुड़े संस्थानों की मदद से उन्होंने चीनी ग्राहकों के बीच विश्वास और लोकप्रियता हासिल की।

मैं खुद को रोमांटिक हीरो नहीं मानता: आर माधवन

मुंबई/भाषा

मशहूर अभिनेता आर माधवन ने कहा कि वह अब खुद को ‘‘रोमांटिक हीरो’’ नहीं मानते हैं और केवल उन किरदारों को निभाने में दिलचस्पी रखते हैं, जो उनकी उम्र के साथ मेल खाते हैं। हाल ही में माधवन अभिनीत फिल्म ‘आप जैसा कोई’ रिलीज हुई है, जो एक प्रेम कहानी है और लोग इसे बहुत पसंद कर रहे हैं। माधवन ने अपने लगभग तीन दशक लंबे फिल्मी करियर में रहना है तेरे दिल में, तनु वेड्स मनु और अलाई पयुथे जैसी शानदार रोमांटिक फिल्मों में काम किया है। माधवन ने ‘पीटीआई-भाषा’ को दिए एक साक्षात्कार में कहा, ‘‘मैंने बहुत कम फिल्में की हैं, इसलिए मुझे नहीं पता कि वह छवि इतने लंबे समय तक कैसे बनी रही।

भारत से इस साल 10 लाख कुशल श्रमिकों को अपने औद्योगिक क्षेत्रों में रोजगार के लिए बुलाएगा रूस

मॉस्को/भाषा। रूस अपने औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए इस साल के अंततक भारत से करीब 10 लाख कुशल कार्यबल को अपने यहां काम करने का मौका देगा। रूस के एक दिग्गज कारोबारी ने यह जानकारी दी है। रूसी उद्योग मंडल ‘यूराल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री’ के प्रमुख आंद्रेई बेसेदिन ने समाचार एजेंसी रॉसबिजनेसकंसल्टिंग (आरबीसी) के साथ बातचीत में भारत से कुशल कामगारों को मंगाने की योजना की जानकारी दी।बेसेदिन ने कहा, जहां तक मुझे पता है, साल के अंततक भारत से 10 लाख विशेषज्ञ कामगार रूस आएंगे। इनमें रूस का स्वेर्दलोव्स्क क्षेत्र भी शामिल है। इससे संबंधित मामलों को देखने के लिए येकातेरिनबर्ग में एक नया महावाणिज्य दूतावास खुल रहा है।

बेसेदिन ने कहा कि भारतीय पेशेवरों के आने से स्वेर्दलोव्स्क क्षेत्र में बेहद काबिल कार्यबल की कमी पूरी हो जाएगी। यूराल पर्वत में स्थित स्वेर्दलोव्स्क क्षेत्र भारी उद्योग एवं सैन्य-औद्योगिक परिसरों का केंद्र है। इसमें विश्व प्रसिद्ध यूरालमाश और टी-90 शृंखला के टैंक बनाने वाली कंपनी यूराल वैगन जावोद भी शामिल हैं।

बेसेदिन ने कहा कि इस क्षेत्र में स्थित औद्योगिक उद्यमों को उत्पादन की मात्रा बढ़ाने की ज़रूरत है, लेकिन यहां पर समुचित मात्रा में कुशल श्रमिकों की कमी है।

सावन के पहले सोमवार शिवभक्ति में लीन दिखीं रानी चटर्जी

नई दिल्ली/एजेन्सी

सावन का पहला सोमवार हमेशा से ही भगवान शिव के भक्तों के लिए बहुत खास होता है। यह दिन शिव जी की पूजा और आराधना के लिए समर्पित होता है।

इस अवसर पर लोग शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं, बेलपत्र अर्पित करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। इसी पवित्र माह के पहले सोमवार को भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेहद सुंदर और भक्तिमय फोटो शेयर की है। इस फोटो में रानी चटर्जी शिवलिंग को बड़ी श्रद्धा से हाथों में उठाए दिख रही हैं। फैंस उनकी इस फोटो को काफी पसंद कर रहे हैं। रानी चटर्जी ने भगवान शिव के प्रति गहरे सम्मान और श्रद्धा को दिखाते हुए इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर की। इस फोटो में वह सुर्ख लाल जोड़े में नजर आ रही हैं। वह गाड़ी में बैठी हुई हैं। इस दौरान उनके हाथ में शिवलिंग है, जिसे वह बड़ी ही आस्था के साथ गले लगा रही हैं। यह फोटो भगवान शिव के प्रति उनकी श्रद्धा को बयां करता है। इस फोटो को शेयर करते हुए रानी ने कैप्शन में लिखा, सावन की शुभकामनाएं... भोले बाबा सबकी मनोकामना पूर्ण करें।

सावन के इस शुभ अवसर पर रानी चटर्जी का यह भक्तिमय फोटो उनके चाहने वालों के लिए एक खास तोहफा जैसा है। उनके इस फोटो पर फैंस ने खूब प्यार और प्रतिक्रिया दी है। एक फैन ने लिखा, ’आपकी यह फोटो सुंदर और प्रेरणादायक है।’ वहीं दूसरे फैन ने लिखा, ’इस तस्वीर में आपकी भक्ति साफ दिख रही है, आप हम सबके लिए एक मिसाल हैं।’ अन्य ने ’आपकी श्रद्धा को प्रणाम,’ ’सच में आपने सावन के पहले सोमवार को और भी खास बना दिया,’ और ’शिव की सच्ची भक्त’ जैसे कमेंट्स किए।

रवीना टंडन ने ’अक्स’ के 24 साल पूरे होने पर इसकी तस्वीरें साझा कीं

नई दिल्ली/भाषा। अभिनेत्री रवीना टंडन ने अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म ’अक्स’ के 24 साल पूरे होने पर रविवार को इसकी पुरानी तस्वीरें साझा करते हुए इसे शानदार फिल्म बताया।

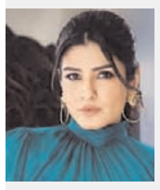

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, इस शानदार फिल्म के 24 साल पूरे हुए। राकेश ओमप्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित फिल्म 13 जुलाई 2001 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन, मनोज बाजपेयी और रवीना टंडन मुख्य भूमिकाओं में हैं। हालांकि, यह फिल्म रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस पर खास सफल नहीं रही, लेकिन बाद में दर्शकों द्वारा सराही गई। ’अक्स’ की कहानी एक पुलिस अधिकारी मनु वर्मा (बच्चन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो देश के रक्षा मंत्री की हत्या की जांच करता है। इसी दौरान, वह एक आतंकवादी राघवन (बाजपेयी) की साजिश का खुलासा करता है। फिल्म में रवीना ने नीता का किरदार निभाया था। इसमें अन्य मुख्य कलाकार नंदिता दास, के. के. रैना और तन्वी आज़मी थे।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर की फिल्म ‘परम सुंदरी’ अगस्त में रिलीज होगी

नई दिल्ली/भाषा। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म ‘परम सुंदरी’ अगस्त में दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। केरल की बैकवाटर पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म हंसी, हलचल और अप्रत्याशित मोड़ों से भरी एक रोलरकोस्टर सवारी के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान द्वारा बैनर मैडॉक फिल्म्स के तहत किया गया है। पहले यह फिल्म 25 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे अगस्त तक के लिए टाल दिया गया है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक फिल्म रिलीज होने की सही तारीख की घोषणा नहीं की है। तुषार जलोटा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा ‘परम’ और जान्हवी कपूर ‘सुंदरी’ की भूमिका निभा रही हैं।

जान्हवी कपूर की आगामी फिल्मों की बात करें तो वह जल्द ही वरुण धवन के साथ रोमांटिक कॉमेडी ‘सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी’ में नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है, जो ‘हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया’ और ‘बद्रीनाथ की दुल्हनिया’ जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म का निर्माण करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस और खेतान के मेंटॉर डिसाइपल एंटरटेनमेंट ने किया है। दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार द्वारा निर्देशित ‘वीवीएएन फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट’ में भी मल्होत्रा नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ तमन्ना भाटिया होंगी। इस फिल्म के 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। इसका निर्माण बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और द वायरल फीवर के सहयोग से किया जा रहा है।

फिल्म ‘तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी’ में नजर आएंगे जैकी श्रॉफ

नई दिल्ली/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ आगामी फिल्म ‘तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी’ में नजर आएंगे। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे हैं। कार्तिक आर्यन ने शनिवार शाम ‘इंस्टाग्राम’ पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें वह जैकी श्रॉफ के साथ नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, लाइट्स, कैमरा और द ओजी हीरो। यह फिल्म करण जौहर के ‘धर्मा प्रोडक्शंस’ के बैनर तले बन रही है और इसका निर्देशन ‘सत्यप्रेम की कथा’ के निर्देशक समीर विद्वांस कर रहे हैं।

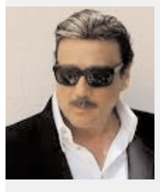

फिल्म 13 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। इससे पहले दोनों ने 2019 में रिलीज हुई रोमांटिक कॉमेडी ‘पति, पत्नी और वो’ में साथ काम किया था। जैकी श्रॉफ छह जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म ‘हाउसफुल 5’ में नजर आए थे। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अक्षय कुमार, नाना पाटेकर, जैकलीन फर्नांडीस, सौंदर्या शर्मा, सोनम बाजवा, संजय दत्त, नरगिस फाखरी, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन भी मुख्य भूमिकाओं में थे। ‘हाउसफुल 5’ ने वैश्विक स्तर पर 300 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की और देश में 200 करोड़ रुपए कमाए।

तन्वी द ग्रेट: शेखर कपूर और अनिल कपूर ने अनुपम खेर की फिल्मोग्राफी की सराहना की

मुंबई/एजेन्सी

फ़िल्म निर्माता शेखर कपूर ने अनुपम खेर की नवीनतम निर्देशित फ़िल्म तन्वी द ग्रेट की सराहना करते हुए इसे उम्मीदों से बढ़कर एक सिनेमाई सफलता बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश साझा किया जिसमें उन्होंने इस फ़िल्म की जमकर तारीफ़ की, जिसने दर्शकों और समीक्षकों दोनों को गहराई से प्रभावित किया है। शेखर कपूर ने लिखा, आपने अपनी फ़िल्म ‘तन्वी द ग्रेट’ से हमारे दिल जीत लिए। मुझे पता था कि आप एक अच्छी फ़िल्म बनाएँगे, लेकिन आपने उत्कृष्टता की सीमाएँ लांघ दी हैं। उन्होंने अनुपम खेर की न केवल उनके निर्देशन में संवेदनशीलता के लिए प्रशंसा की, बल्कि भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति उनके अटूट सम्मान और पात्रों व भावनाओं की गहरी समझ के लिए भी उनकी सराहना की।

इस प्रशंसा में शामिल हुए अनुपम खेर के पुराने मित्र और सहयोगी अनिल कपूर, जिन्होंने शेखर कपूर की पोस्ट को अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में साझा कर अनुपम खेर के विकसित होते फिल्मी सफ़र के प्रति अपना समर्थन जताया। अनिल कपूर का यह कदम न केवल इन तीनों के बीच साझा हुए गर्मजोशी भरे रिश्ते को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि तन्वी द ग्रेट को फ़िल्म इंडस्ट्री में कितनी सराहना मिल रही है। अनुपम खेर द्वारा निर्देशित यह फ़िल्म, जो साहस, संघर्ष और पहचान जैसे विषयों को केंद्र में रखती है, उनके करियर का एक अहम मोड़ प्रतीत हो रही हैन केवल एक अभिनेता के रूप में, बल्कि एक संवेदनशील और सच्चे कहानीकार के रूप में भी। शेखर कपूर और अनिल कपूर जैसे दिग्गजों से मिली सराहना के साथ, तन्वी द ग्रेट सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा में एक कल्चरल मोमेंट बनती जा रही है।

तमन्ना भाटिया ने स्टाइलिश तस्वीरों के साथ शेयर किया ‘जीवन का फलसफा’

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया बॉलीवुड की उन चुनिंदा अभिनेत्रियों में से एक हैं जो अपने लुक और स्टाइल के लिए काफी मशहूर हैं। वह फैंस के साथ नए-नए आउटफिट में अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। रविवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी ऐसी ही कुछ स्टाइलिश तस्वीरें पोस्ट की, जिन पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। तमन्ना भाटिया ने हाल ही में अपने खास अंदाज से सबको चौंका दिया। उन्होंने एक काले रंग की चमकीली गाउन के साथ एक कैजुअल ग्रे टी-शर्ट पहनी, जिससे उन्होंने दिखाया कि कैसे अलग-अलग चीजें भी एक साथ खूबसूरत लग सकती हैं। तमन्ना का कहना है कि उनके लिए फैशन सिर्फ नए ट्रेंड को फॉलो करना नहीं है, बल्कि यह खुद को जाहिर करने का एक तरीका है, जहां ग्लैमर और आराम, मजबूती और कोमलता का संतुलन बनता है। रविवार को ’बाहुबली’ फिल्म की इस अभिनेत्री ने अपने

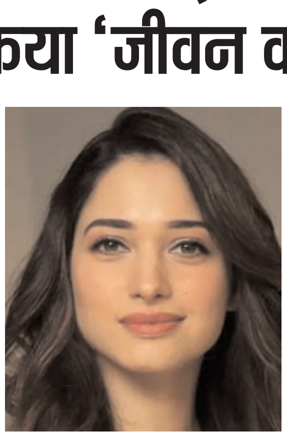

इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ स्टाइलिश तस्वीरें साझा कीं। कैप्शन में, तमन्ना भाटिया ने फैशन के साथ पहचान भी ’लेयरिंग’ की ताकत को दर्शाया। उन्होंने साझा किया कि एक काले रंग का गाउन और एक ग्रे टी-शर्ट भले ही अलग-अलग दुनिया के लगे, लेकिन उनके लिए ऐसा लगता है जैसे वे एक-दूसरे से मिलने के लिए ही बने हैं।

तमन्ना ने आगे लिखा, लेयरिंग की कला... एक काली चमकीली गाउन और एक ग्रे टी-शर्ट दो अलग दुनिया से हो सकती हैं – लेकिन मेरे लिए, ऐसा लगता है कि वे मिलने के लिए ही बनी थीं। क्योंकि विरोधाभास टकराव नहीं है। यह वह जगह है जहां मर्दाना अंदाज और स्त्री स्वभाव में तालमेल बैठता है। यह लेयरिंग की कला भी है – न केवल मैं क्या पहनती हूं, बल्कि मैं कौन हूं, इसमें भी। कपड़े, गहने, पहचान – इनमें से किसी को भी एक जैसा होने की जरूरत नहीं है। कैजुअल ग्लैमर कोई ट्रेंड नहीं है। यह मेरी भाषा है। और यह हमेशा लेयर में होता है। तमन्ना भाटिया अपने बेजोड़ स्टाइल सेंस के लिए जानी जाती हैं, वह सोशल मीडिया पर अपनी आकर्षक तस्वीरों के जरिए लगातार स्टाइल की दुनिया को लीड करती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, 35 वर्षीय अभिनेत्री सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ अपनी आगामी फिल्म वन: फोर्स ऑफ द फ़ॉरेस्ट की शूटिंग में व्यस्त हैं। मध्य भारत के घने जंगलों की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म सिद्धार्थ के साथ तमन्ना की पहली ऑन-स्क्रीन जोड़ी है। आगामी, बहुप्रतीक्षित थ्रिलर 15 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजकुमार राव की सादगी और समर्पण पर फिदा हुईं पत्रलेखा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। हाल ही में इस कपल ने सोशल मीडिया के ज़रिए फैंस को यह खुशखबरी दी थी, जिसे लेकर उन्हें ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। अब पत्रलेखा ने अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर खुल कर बात की है। उन्होंने बताया कि इस खास दौर में राजकुमार राव उनका बेहद ध्यान रख रहे हैं, चाहे बात उनके खाने-पीने की हो या आराम की, राजकुमार हर छोटी-बड़ी ज़रूरत में उनके साथ खड़े हैं। इसके साथ ही पत्रलेखा ने एक प्यारा खुलासा भी किया। उन्होंने बताया कि वह मां बनने के बाद अपने बच्चे के साथ पहली ट्रिप हिमाचल की प्लान कर रही हैं, जहां वह प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहेंगी।

पत्रलेखा ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में बताया कि वह राजकुमार राव के साथ न्यूज़ीलैंड गई थीं। वहाँ उन्हें एहसास हुआ कि राजकुमार एक

अच्छे पिता साबित होंगे। पत्रलेखा ने कहा, हर ट्रिप हमारे लिए नए रास्ते खोलती है और हम एक-दूसरे को बेहतर समझते हैं। न्यूज़ीलैंड में मुझे लगा कि राज एक अच्छे पिता साबित होंगे। पत्रलेखा ने आगे अपनी बात शेयर करते हुए कहा, राजकुमार मेरा बहुत अच्छे से ख्याल रख रहे हैं। उन्होंने ये समझने की पूरी कोशिश की है कि मुझे क्या पसंद है, किस चीज़ से मुझे आराम मिलता है। वो एक कमाल के पार्टनर हैं और इस सफर ने इसे और भी साबित कर दिया है। हम बच्चे के आने के बाद न्यूज़ीलैंड के साउथ आइलैंड जाने की सोच रहे हैं। पहले कभी उस जगह के बारे में नहीं सोचा था, लेकिन अब वो हमारी बकेट लिस्ट में है। हो सकता है हम वहां बच्चे के साथ बंजी जंपिंग करें या फिर कुछ और रोमांचक प्लान बनाएं। प्रेग्नेंसी के चलते कुछ वक्त का ब्रेक ले रहीं पत्रलेखा ने हाल ही में बताया, मैं अगले 6-7 महीनों तक कोई शूटिंग नहीं करूंगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

सोमवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में धर्मसभा में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भारतीय साहित्य में साधु-संतों को जीवंत तीर्थ कहकर उनका महिमागान किया गया है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल भारतीय वचन साहित्य एवं सांस्कृतिक परिषद बेंगलूरु द्वारा रविवार को मैसूर रोड स्थित पूर्णिमा पैलेस में आयोजित सर्वधर्म सम्मेलन समारोह में गौ सेवा के लिए महेंद्र मुणोत को सम्मानित करते हुए परिषद के अध्यक्ष थिम्मप्पा एवं विभिन्न मठों के मठाधीश।

गांधीनगर तेरापंथ भवन में हुआ मंत्र दीक्षा कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गांधीनगर तेरापंथ भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर, राजाजीनगर व हनुमंतनगर द्वारा संयुक्त रूप से मंत्र दीक्षा का आयोजन किया गया। डॉ पुलकितकुमारजी ने कहा कि भविष्य को शुभ बनाने के लिए मंत्र दीक्षा आवश्यक होती है। नवकार महामंत्र रक्षा कवच का कार्य करता है, इसके प्रति निष्ठा रखने वाले को भौतिक व आध्यात्मिक लाभ की प्राप्ति होती है। मुनिश्री ने कहा कि नवकार महामंत्र की मंत्र दीक्षा बच्चों में निषेधात्मक चिंतन को दूर करके आध्यात्मिक विकास में सहायक सिद्ध हुई है। डॉ पुलकित कुमार जी ने नवकार महामंत्र का महत्व उजागर करते हुए 9 वर्ष तक के बच्चों को मंत्र दीक्षा प्रदान की। बच्चों ने त्रिपदी वंदना के साथ मंत्र दीक्षा के पांच संकल्प ग्रहण करवाए। कार्यक्रम में लगभग 237 ज्ञानार्थियों की उपस्थिति रही। तेयुप के अध्यक्ष प्रसन्न धोका ने सभी का स्वागत किया। ज्ञानशाला से माणकचंद संचेती, नीता गादिया, शाखा प्रभारी अमित दक ने विचार व्यक्त किए। मुनि आदित्य कुमार जी ने गीत की प्रस्तुति दी। तेरापंथ सभा मंत्री विनोद छाजेड़ ने गुरु दर्शनार्थ ज्ञानशाला का विशाल संघ ले जाने की घोषणा की। कार्यक्रम में शांतिनगर, चामराजपेट, राजाजीनगर, ओकलीपुरम, गंगानगर आदि ज्ञानशाला के ज्ञानार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, अभातेयुप के सदस्य गौतम खाब्या, तेयुप राजाजीनगर के अध्यक्ष जितेश दक, तेयुप हनुमंतनगर के अध्यक्ष कमलेश झाबक की उपस्थिति में प्रायोजक झमकुदेवी, प्रवीण, सज्जन, विनोद छाजेड़ परिवार का सम्मान किया गया। संचालन मंत्री प्रदीप चौपड़ा ने किया।

तेरापंथ ट्रस्ट हनुमंतनगर की वार्षिक बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर की वार्षिक साधारण सभा रविवार को तेरापंथ भवन में सम्पन्न हुई। अध्यक्ष गौतम दक ने सभी का स्वागत किया। पूर्व मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने गत साधारण सभा की कार्यवाही प्रस्तुत की। मंत्री हेमराज मांडोत ने वार्षिक मंत्री प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कोषाध्यक्ष नाथूलाल बोल्या ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बोहरा, पूर्व अध्यक्ष तेजमल सिंघवी, उपाध्यक्ष मुकेश मेहता, गौतम कातरेला, सहमंत्री राजेश मारू, महावीर देरासरिया, संगठन मंत्री नवरतन बोहरा सहित सभा के अनेक सदस्य व ट्रस्टी उपस्थित थे। संचालन मंत्री हेमराज मांडोत ने किया।

आत्मा सच्चिदानंद और शाश्वत सुखों से परिपूर्ण है : साध्वी हर्षपूर्णाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमने अपने शरीर को अपना माना है, लेकिन हमारी अपनी तो सिर्फ आत्मा है। आत्मा पूर्ण है लेकिन हमारा शरीर अपूर्ण है जो की अपना नहीं है। आत्मा तो सच्चिदानंद है, जो कि शाश्वत सुखों से परिपूर्ण है। हमारी आत्मा विभाव दशा में जी रही है लेकिन उसे स्वभाव दशा में लाना है। हमारी आत्मा ही हमारा घर है, शरीर तो किराए का मकान है जिसको सजाने संवारने के लिए हम रात दिन मेहनत करते हैं, लेकिन जो आत्मा अपनी है उसके लिए हम कुछ भी नहीं कर रहे हैं। दुख संयोग जन्य है जो कि हमेशा नहीं रहता है। सिद्धावस्था में कोई दुख नहीं है, इसमें तो सिर्फ शाश्वत सुख है जो कभी नहीं जाता है। सभी आत्माएं ज्ञान, दर्शन और चरित्र से परिपूर्ण है। सिद्धों की आत्मा रत्नत्रयी से परिपूर्ण है, जबकि हमारी आत्मा रत्नत्रयी से अपूर्ण है, इस पर कर्मों का आवरण छाया हुआ है। जब यह आवरण हटेगा तो हम भी अपनी सिद्धावस्था को प्राप्त कर लेंगे। हमारी आत्मा ने अभी तक विभाव दशा का आसास्वादन किया है। लेकिन आत्मा को स्वभाव दशा की ओर मोड़ना है।

साध्वीश्री ने कहा कि परमात्मा महावीर के साधना काल में उनको अनेक कष्ट परिषह आए लेकिन उन्होंने उन कर्मों की हंसते-हंसते निर्जरा की। हमने पूर्व में जो कर्म किए हैं उन्हें हमें भोगना ही है। हर पल हमारी आत्मा सतत सात कर्मों का बंध कर रही है। हमें कर्म बंध करते समय बहुत सावधानी रखनी चाहिए। जो कर्म हम हंसते हुए बांध लेते हैं, लेकिन उन कर्मों को हमें भोगना ही पड़ेगा, बिना भोगे उन कर्मों से हमें छुटकारा नहीं मिलेगा।

शिमला में पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार को एक भक्त भगवान शिव के पवित्र बैल नंदी के कान में अपनी इच्छा फुसफुसाती हुई।

संसार को जीतना सरल है, स्वयं को जीतना बहुत कठिन : संतश्री वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में मुनि डॉ वरुणमुनिजीने कहा कि जैन शब्द जन शब्द से बना है। जब जन शब्द पर विनय और विवेक की दो मात्राएं लग जाती हैं तो वह जैन बन जाता है। जैन वह है जो जिन का उपासक है। जैन किसी के धर्म परिवर्तन में विश्वास नहीं करता बल्कि यह जीवन परिवर्तन करने की एक शैली है। धर्म चाहे कोई भी हो, हर धर्म प्रेम, मानवता और सेवा की बात करता है किंतु व्यक्ति ने अपने स्वार्थवश धर्म की अलग-अलग परिभाषाएं कर दी है। जैन दर्शन हमारी जीवन शैली परिवर्तन करने का एक अद्भुत दर्शन है। जिन्होंने अपनी आत्मा पर विजय प्राप्त कर ली, वे जिनेंद्र कहलाते हैं। संसार पर विजय प्राप्त करने की कोशिश तो सिकंदर ने भी की किंतु अंत में वह स्वयं से ही हार गया। संसार में पूजा तो त्याग, साधना और चारित्र की होती है। भोगी को सिंहासन पर बिठाया जा सकता है किंतु त्यागी को तो पूजा जाता है। दूसरों पर विजय प्राप्त करना सरल है किंतु जो अपनी आत्मा को जीत लेता है, वही वीतरागी बनता है, जिनेंद्र बनता है। संसार को जीतना सरल है किंतु स्वयं पर विजय प्राप्त करना बहुत कठिन है। संसार जीतने वाला सबको जीतकर भी हार जाता है। जो अपने इंद्रिय-विषय और कषायों को जीत लेते हैं, वही वास्तव में जिनेंद्र बनते हैं। जो एक आत्मा को जान लेता है, वह संसार की सभी आत्माओं को जान सकता है। स्वयं को जीत लेने वाले और स्वयं को जान लेने वाले को संसार नमन करता है।

वरुणमुनिजी ने कहा कि भगवान ऋषभदेव ने असी, मसी और कृषि का ज्ञान दिया। असी यानी शस्त्र-अस्त्र का ज्ञान। मसी यानी व्यापार- वाणिज्य का ज्ञान और कृषि यानी खेती,धन-धान्य आदि का ज्ञान।

इस प्रकार संसार चलाने के ज्ञान के साथ प्रभु ने अध्यात्म का भी ज्ञान दिया, जिससे आत्मा सन्मार्ग की ओर आगे बढ़ सके। व्यक्ति के जीवन में तीन अवस्थाएं हैं - बचपन, जवानी और बुढ़ापा। बचपन विद्यार्जन और ज्ञानार्जन के लिए होता है। जवानी या युवावस्था धनार्जन के लिए होती है और बुढ़ापा धर्माजन के लिए होता है। इस प्रकार व्यक्ति व्यवहारिक ज्ञान के साथ आध्यात्मिक ज्ञान में भी निष्णात बने, यही धर्म का उद्देश्य है। इंसान के लिए उसका परिवार उसकी दुनियां हो सकती है किंतु संत के लिए सारी दुनियां ही उनका परिवार है। अतः हम जन से जैन और जैन से जिन बनने के लिए सदैव पुरुषार्थरत रहें, यही आत्म कल्याण का सन्मार्ग है। संतश्री रुपेशमुनि जीने भजन प्रस्तुत किया। उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

श्रद्धांजलि

दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु रेल मंडल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति के सदस्य अश्विन सेमलानी, कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, जय क्रांति युवा सेना के अध्यक्ष विनोद चौहान, मंत्री महिपाल जैन, राजेश चोपड़ा, मंत्री मूलसिंह राजपुरोहित, विजयनगर जैन संघ के सदस्य महेंद्र जैन, महादेव गौ सेवक मंडल के अध्यक्ष माधुराम खदाव गायत्री विहार के जिग्नेश भाई आदि ने सोमवार को गायत्री विहार सभागार में गत दिनों दिवगंत हुए केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के पिताजी स्व. दाऊलाल वैष्णव को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

'जीवन परिवर्तन के लिए जिनवाणी श्रवण अति आवश्यक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी की निश्रा में साध्वीश्री दिव्ययशाजी ने कहा कि जीवन के लय को पाप के प्रलय से बचाकर सिद्धालय की ओर मोड़ने वाली होती है जिनवाणी। जिनवाणी में बहुत सामर्थ्य है क्योंकि यह महापुरुषों द्वारा कही गई है। जिनवाणी श्रवण से पानी पुनीत बन जाते हैं, खूंखार व्यक्ति मुनि बन जाता है अतः हमें जिनवाणी का श्रद्धा रखनी चाहिए और नियमित श्रवण करनी चाहिए।

आज का इन्सान पूरा का पूरा जीवन धनार्जन में लगा देता है और अंत में उसे कुछ प्राप्त नहीं होता जो उसके साथ जाएं परन्तु जिनवाणी व्यक्ति को उसकी मंजिल तक पहुंचा देती है। व्यक्ति को विभाव से स्वभाव में ले जाती है और आत्मा को परमात्मा बना देती है। साध्वी मलयाश्रीजी ने कहा कि हमें अपने मन रूपी भूमि को साफ सुथरा व उपजाऊ बना कर रखना चाहिए ताकि जिनवाणी के बीज उसमें पड़ते ही अंकुरित हो उठे। मानव का जीवन खाली भूखंड के समान होता है, हमारे विवेक व समझ के अनुसार हम उस जीवन में जो चाहे वह निर्माण कर सकते हैं।

बीजेएस मैसूरु के सदस्यों ने किए जैन संतों के दर्शन

मैसूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जैन संगठन(बीजेएस), मैसूरु चैप्टर के सदस्यों ने धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम के अंतर्गत शहर में चातुर्मासार्थ विराजित चारों सम्प्रदायों के संतों के दर्शन कर उनसे आशीर्वाद लिया। सबसे पहले सदस्यों ने स्थानकवासी जैन भवन में विराजित मुनिश्री विदेहमुनिजी के दर्शन किए व मांगलिक ग्रहण की। इसके पश्चात जैन बोर्डिंग होम में दिगम्बर जैन सम्प्रदाय के आचार्यश्री पुण्यासागरजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने दशलक्षण पर्व के दस प्रमुख सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। इस मौके पर मैसूरु चैप्टर के अध्यक्ष राजन बाघमार, कर्नाटक राज्य सचिव प्रकाश गुलेछा, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखराज विनायकिया, पूर्व अध्यक्ष विमल पितलिया, कोषाध्यक्ष मनोहर सांखला, उपाध्यक्ष नेमीचंद बडोला, सचिव राजेंद्र देसरला सहित महिला अध्यक्ष शर्मिला धोका, सचिव सीमा बोहरा, उपाध्यक्ष संतोष सालेचा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

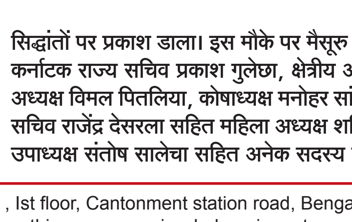

सदाचारी साधु-संत हैं जीवंत तीर्थ : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। सोमवार को राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में धर्मसभा में उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि भारतीय साहित्य में साधु-संतों को जीवंत तीर्थ कहकर उनका महिमागान किया गया है। आचार-विचार की पवित्रता और ज्ञान की निर्मल आभा से परिष्कृत उनका जीवन उन्हें तीर्थतुल्य बनाता है। इस प्रकार साधु-संतों के कंधों पर जगत के उद्धार का बहुत बड़ा दायित्व हैं। वे संसार के पापपंक में डूब रहे जीवों को पार उतारने का काम करते हैं। स्वयं तैरने और दूसरों को तारने की यह प्रक्रिया तीर्थ के रूप में पारिभाषित होती है। इस अर्थ में जो पार लगाए वो तीर्थ हैं। साधु-संत भी तीर्थ कहे जाते हैं। वे जहां कहीं जाते हैं, वह घर, भूमि, गांव, तीर्थ बन जाते हैं। सदाचार के समक्ष देवता भी रमण करते हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि व्यक्ति जन्म से नहीं, कर्म से महान बनता है। कुल, जाति, धन, ज्ञान या परिवार नहीं, मनुष्य के आचार-विचार ही उसकी पहचान बनते हैं। सदाचार, जीवन का अमूल्य आभूषण है। भारतीय साहित्य और संस्कृति ने सदाचार को बहुत महत्ता दी है। साधु-संत और सज्जन मनुष्य सदाचार से चमकते-दमकते हैं। यूं ही कोई पूजा और प्रतिष्ठा के योग्य नहीं होता, मनुष्य की पवित्रता उसे पूजनीय बनाती है। जिसके जीवन में सद्विचार और सदाचार होते हैं, उसके समक्ष हर कोई नतमस्तक हो जाता है। सदाचार साधुत्व का प्रमाणपत्र हैं। जैन संघ के ट्रस्टी दलीचंद कवाड़ ने बताया कि 'रात को ज्ञान की बात, आपके साथ' कार्यक्रम में गणि पद्मविमलसागरजी ने बहुत ही सार्थक व प्रभावी ज्ञानचर्चा की। संघ के विनोद फोलामुथा ने बताया कि कषाय जय तप के चार सौ साधकों के लिए श्रीफल अभिमंत्रित कर जयघोष पूर्वक उन्हें प्रदान किए गए।

सद्‌गुरु के समागम से सन्मार्ग की प्राप्ति होती है : आचार्यश्री प्रभाकरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री प्रभाकरसूरीश्वरजी ने सोमवार को अपने प्रवचन में जैन शासन में तप और धर्म के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि वीतराग परमात्मा ने कहा है कि तप के सेवन से ही देह की ममता का त्याग, रसनाजय व कषायजय से कर्म क्षय होता है। कर्मक्षय से आत्मा शुद्ध बन अजरामर मुक्ति प्राप्त करती है। देव, ममत्व और त्याग अनादि काल से संसारी आत्मा को स्वदेह पर अत्यंत ममत्व रहा है। अत्याधिक राग के कारण आत्मा अनेक पापाचरण करती हैं। स्वदेह में आत्म बुद्धि के कारण मिथ्यात्व से ग्रस्त आत्मा देह की पुष्टि के लिए हिंसा व अहिंसा का विचार नहीं करती। उन्होंने कहा कि सदगुरु के समागम से सन्मार्ग की प्राप्ति होती है,आत्मस्वरूप का ज्ञान होता है और आत्मा मिथ्यात्व रोग से मुक्त बनती है। सम्यग तप से आत्मा देह के नाश के बावजूद दुख का अनुभव नहीं करती। उन्होंने कहा कि ममता के त्याग के बिना आत्म सुख का संवेदन तथा सम्यकतप के बिना देह की ममता का त्याग भी संभव नहीं है। तप धर्म के अभ्यास से व्यक्ति सहनशील बनता है और देह के दुखों को हंसते हुए सहन करता है। आचार्यश्री ने कहा कि तप धर्म का दूसरा उद्देश्य इंद्रियजय है। साधक विभिन्न तपों के जरिए भोजन के विविध रसों का त्याग करता है। अभ्यास से धीरे धीरे रसेन्द्रियों पर विजय पा सकता है। पांच इंद्रियों में रसेन्द्रिय ही सबसे बलवान है। उन्होंने कहा कि आहार की आसक्ति के त्याग के बिना इन्द्रिय विजय नहीं पाई जा सकती। अपनी इच्छाओं को वश में रखना ही सबसे बड़ा तप है। स्वाध्याय और ध्यान को उत्कृष्ट तप कहा गया है। ज्ञान और ध्यान के बिना मुक्ति संभव ही नहीं है। आचार्यश्री को उत्तराध्ययन सूत्र बोहराने का लाभ पारसमल शुभम बम्बोरी परिवार एवं पेथडशाह चरित्र बोहराने का लाभ सुरेशकुमार जितेशकुमार दक परिवार व साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी को प्रशमरति ग्रंथ बोहराने का लाभ जयंतीलाल श्रीश्रीमाल परिवार सहित अनेक लाभार्थियों ने लाभ लिए।

बीती जवानी, बहता पानी, गया समय, बोले शब्द कभी लौट कर नहीं आते : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी के सान्निध्य में रविवार को लोकेश मुनि जी ने उत्तराध्ययन सूत्र के चौथे अध्याय का वर्णन करते हुए कहा कि इस अमूल्य जीवन को पाकर प्रमाद का पूर्ण त्याग करना चाहिए। प्रमादी और आलसी बनकर इस बहुमूल्य जीवन को व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। एक एक क्षण का सदुपयोग करते हुए मनुष्य जीवन को देव, गुरु व धर्म में लगाना चाहिए। हम प्रमाद सब के लिए करते है किन्तु इसका फ़ल हमें स्वयं को भोगना पड़ता हैं। संतश्री ज्ञान मुनि जी ने सोमवार को भगवान महावीर के अंतिम देशना के बारे में बताते हुए कहा कि किसी के जीवन की अंतिम बात सबसे महत्व की होती हैं और वो याद में रह जाती हैं, उसी प्रकार प्रभु महावीर की अंतिम देशना हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मुनिश्री ने कहा कि एक बार बीती हुई जवानी, बहता हुआ पानी, गया हुआ वक़्त और बोले हुए शब्द छूट जाते हैं तो वापस लौट कर नहीं आते। ज़िन्दगी के हर दौर के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि दस वर्ष तक की उम्र में इंसान चंचल होता हैं, बीस वर्ष की उम्र में बेपरवाह, तीस में तीखा, चालीस में जिम्मेदार, पचास में समझदार, साठ में अनुभवी, सत्तर में बीमार, अस्सी में घरवाले बेपरवाह, नब्बे में बेसुध हो जता है। सौ में भगवान के द्वार खुल जाते हैं। सोमवार को प्रवचन में ज्ञानचंद लोढ़ा, माणकचन्द कोठारी परिवार की विशेष उपस्थिति थी। सभा में अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने स्वागत किया। सभा का संचालन महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने किया।

जीवन में कभी भी क्रोध नहीं करना चाहिए : साध्वीश्री मयूरयशा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी मयूरयशा श्रीजी ने सोमवार को धर्मरत्न प्रकरण ग्रंथ का वाचन करते हुए श्रावक के गुणों को बताया। सब से पहला गुण अक्षुद्र गुण है, अक्षुद्र गुण है, जबकि क्षुद्र दुर्गुण है। क्षुद्र मन वाला मैत्री करने नहीं देता, धर्म करने नहीं देता है, दूसरों की गुप्त बात को प्रकट कर देता है, जबकि अक्षुद्रगुण वाला व्यक्ति मैत्री टूटने नहीं देता है, किसी की गुप्त बात प्रकट नहीं करता है और गम खाता है। अंतर में जाने का पुरुषार्थ अक्षुद्र गुण वाला व्यक्ति करता है। जो व्यक्ति दान देता है, दान में रुचि रखता है, मध्यस्थ भाव बनाए रखता है और अल्प कषायी होता है, वैसा व्यक्ति अगले भाव में मानव का भव प्राप्त करता है। जब व्यक्ति को उसकी अपेक्षा के अनुसार सामने वाले द्वारा कार्य नहीं होता है तो उसे उस व्यक्ति पर क्रोध आता है। सामने वाला व्यक्ति हमें क्रोध करने का निमित्त देता है अगर हमने उस निमित्त को स्वीकार किया तो क्रोध सहज रूप से आ जाता है और नहीं स्वीकारा तो हम क्रोध से बच सकते हैं। निमित्त का स्वीकार अर्थात क्रोध और अस्वीकार यानी क्षमा।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.)
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com